दैनिक प्रातः कालीन हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

क्यूँ न लिखूँ सच

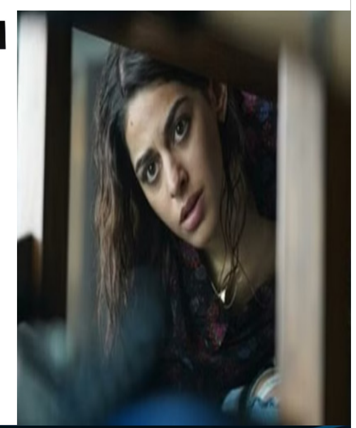

मुरादाबाद से प्रकाशित

RNI NO- UPBIL/2021/83001

वर्ष :- 03 अंक :- 19 मुरादाबाद, 09 May 2023 (Tuesday) पृष्ठ :- 08 मूल्य : 3.00 रुपये

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

मुख्यमंत्री योगी बोले – जाति, मजहब का नहीं सपा व बसपा का कचरा साफ करने का है निकाय चुनाव

जिन्होंने आपको पानी के लिए तरसाया आप उन्हें एक-एक वोट के लिए तरसाइए

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को बाराबंकी में निकाय चुनाव को लेकर एक जनसभा को संबोधित किया। उन्होंने भाजपा सरकार के विकास कार्यों की चर्चा की और सपा-बसपा व कांग्रेस पर निशाना साधा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि यह निकाय चुनाव जाति मजहब को लेकर नहीं बल्कि नगरीय जीवन स्तर को मजबूत करने के लिए है। सपा, बसपा के कचरे को साफ करने के लिए है। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार चेहरा देखकर नहीं बल्कि पात्र देखकर योजना का लाभ देती है। हम सब तुष्टीकरण नहीं बल्कि सशक्तिकरण पर ध्यान देते हैं। मुख्यमंत्री सोमवार को शहर के जीआईसी ऑडिटोरियम में निकाय चुनावों को लेकर प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि करीब 65 साल शासन करने वाले लोगों ने नारे बहुत दिए मगर उन्होंने गरीब और महिलाओं के लिए कुछ नहीं किया लेकिन मात्र 9 वर्ष में केंद्र की मोदी सरकार ने लोगों को हर तरह की सुविधा दी। भारत अकेला ऐसा पहला देश है जहां 50 करोड़ गरीबों को मुफ्त इलाज 80 करोड़ लोगों को फ्री राशन की व्यवस्था की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज बाराबंकी के लोगों के लिए लखनऊ और अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। उन्होंने कहा कि 2017 के पहले बाराबंकी के लोधेश्वर महादेवा में दर्शन पर पाबंदी थी। सावन में कर्फ्यू जैसा माहौल रहता था लेकिन आज कांवरियों पर पुष्प वर्षा की जाती है। उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है। इससे पहले मंच पर राज्यमंत्री सतीश शर्मा, सांसद उपेंद्र सिंह रावत, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, क्षेत्रीय अध्यक्ष कमलेश मिश्र, जिला प्रभारी अर्चना मिश्रा, जिलाध्यक्ष शशांक कुसमेश, विधायक दिनेश रावत, साकेंद्र प्रताप वर्मा ने मुख्यमंत्री को माल्यार्पण और गदा भेंट कर स्वागत किया। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ मिर्जापुर पहुंच गए हैं।

मिर्जापुर में सीएम छानबे विधानसभा सीट के उप चुनाव लिए जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। सीएम ने कहा- मैं आप लोगों का आभार व्यक्त करता हूं कि आपने हमारा साथ दिया। मिर्जापुर में पेयजल की समस्या जल्द दूर होगी। डबल इंजन की सरकार ने गरीबों के लिए काम किया है। जिन लोगों ने आपको पानी के लिए तरसाया आप उन्हें एक-एक वोट के लिए तरसाइए%। सीएम योगी आदित्यनाथ मिर्जापुर के छानबे विधानसभा सीट के उप चुनाव लिए जनसभा को संबोधित कर रहे हैं। सीएम ने कहा- अब यूपी बदल रहा तो मिर्जापुर भी बदल रहा है। ये लोग परिवार वादी सोच के लोग हैं इन्हें विकास से मतलब नहीं है। सपा-बसपा का सूपड़ा तो साफ होना ही है। इसलिए उन्होंने खुद को प्रचार से भी दूर रखा है। सीएम ने आगे कहा- पहले युवाओं के हाथ में तमंचे हुआ करते थे लेकिन आज टेबलेट है। हमारी सरकार ने दो करोड़ युवाओं को टेबलेट देने का लक्ष्य बनाया है।

लालगंज के बाबू उपरौधा इंटर कालेज में सोमवार को जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि गर्मियों में मिर्जापुर में टैंकर से पानी की सप्लाई होती थी। बहन, बेटियों को कई किलोमीटर पैदल चलकर सिर पर घड़ा रखकर पानी लाना पड़ता था। अब बेटियों को दो-चार आठ किलोमीटर का सफर नहीं करना होगा। जल जीवन मिशन के तहत हर घर शुद्ध जल पहुंचाने का कार्य करने जा रही है। इस योजना पर तेजी से कार्य चल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की सब्जियां, अनाज व अन्य उत्पाद देश के किसी भी बाजार में पहुंच सकेंगे। विंध्याचल के करीबी जेट्टी बनाई जा रही है। वाटरवेज के माध्यम से देश-विदेश के मार्केट में कोई भी सामान भेजा जा सकेगा। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश बढ़ रहा है तो मिर्जापुर भला कैसे पीछे रह सकता है। विपक्षियों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा किपारिवारिक सोच रखने वाले लोगों कि केवल एक ही कार्य योजना है युवाओं के हाथों में तमंचा पकड़वा कर समाज के खिलाफ काम कराना। अब युवा के हाथ में कोई तमंचा नहीं पकड़ा सकता क्योंकि दो करोड़ युवाओं के हाथों में टेबलेट पहुंचाने का काम सरकार ने किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही मिर्जापुर में विश्वस्तरीय विश्विद्यालय बनकर तैयार हो जाएगा। डिग्री पर मां विंध्यवासिनी की तस्वीर रहेगी। छात्र कहीं भी जाएगा माँ की तस्वीर के साथ उनका आशीर्वाद भी रहेगा। इस दौरान समर्थित प्रत्याशियों के बारे में बताया। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल, कैबिनेट मंत्री प्रदेश सरकार नंद गोपाल नंदी, कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल, पूर्व मंत्री रमाशंकर पटेल, विधायक रत्नाकर मिश्रा, डॉ विनोद बिंद, एमएलसी श्याम नारायण सिंह, पूर्व मंत्री रंग नाथ मिश्रा उपस्थित रहे।

हाईकोर्ट ने बुजुर्ग को दुष्कर्म के आरोप से मुक्त किया, कहा- सहमति से बने थे दोनों के बीच संबंध

न्यायमूर्ति भारती डांगरे की एकल पीठ ने चार मई को अपने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता और 67 वर्षीय आरोपी 2005 से एक दूसरे के संपर्क में थे और संबंध दो वयस्कों के बीच थे जो अपने कृत्यों के परिणामों को समझने में सक्षम थे। बंबई उच्च न्यायालय ने एक वरिष्ठ नागरिक को दुष्कर्म के आरोपों से मुक्त कर दिया है। उनके खिलाफ साल 2015 में एक 61 वर्षीय महिला ने दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया था। अदालत ने कहा कि दोनों के बीच संबंध सहमति से थे और शारीरिक संबंधों के लिए मजबूर नहीं किया गया था। न्यायमूर्ति भारती डांगरे की एकल पीठ ने चार मई को अपने आदेश में कहा कि शिकायतकर्ता और 67 वर्षीय आरोपी 2005 से एक दूसरे के संपर्क में थे और संबंध दो वयस्कों के बीच थे जो अपने कृत्यों के परिणामों को समझने में सक्षम थे। शिकायतकर्ता ने 2015 में पुणे पुलिस में दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया था कि व्यक्ति ने शादी का झांसा देकर 2005 से कई बार उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। व्यक्ति के खिलाफ दुष्कर्म, छेड़छाड़ और आपराधिक धमकी के लिए भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में कहा कि शिकायत दर्ज होने के दौरान दोनों के बीच 2005 से 2015 तक सहमति से संबंध थे। जब प्राथमिकी दर्ज की गई थी तब शिकायतकर्ता की उम्र 54 साल थी और आरोपी की उम्र 60 साल थी। अदालत ने कहा, %यह दो वयस्कों के बीच का संबंध था, जो अपने कृत्यों के परिणामों को समझने में सक्षम थे, और किसी भी तरह से यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि शारीरिक संबंध महिला की सहमति के बिना या उसकी इच्छा के खिलाफ था।% पीठ ने आगे कहा कि महिला को अच्छी तरह से पता था कि वह व्यक्ति पहले से ही शादीशुदा है और उसने इसके बावजूद संबंध जारी रखा था। इसमें कहा गया है कि दुष्कर्म का अपराध तब होता है जब कृत्य महिला की सहमति के खिलाफ और उसकी सहमति के बिना किया जाता है। पीठ ने कहा कि मौजूदा मामले में आरोपी और महिला के बीच संबंध एक दशक तक जारी रहे और यह आसानी से अनुमान लगाया जा सकता है कि यह आपसी सहमति से थे। पीठ ने आगे कहा, यह अनुमान लगाने का कोई कारण नहीं है कि दोनों के बीच संबंध जबरन था। यह ऐसा मामला भी नहीं है जहां एक युवक शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंध बनाने का लालच दे। मामले के अनुसार, महिला अपने पहले पति से अलग हो गई थी और बाद में उसने दूसरी शादी कर ली थी, लेकिन एक दुर्घटना में उसने अपने दूसरे पति को खो दिया था। शिकायतकर्ता पुणे के एक स्कूल में हेडमास्टर के रूप में काम करता था। शिकायत के अनुसार, पहले से शादीशुदा व्यक्ति ने दावा किया कि वह नाखुश था और उसने उससे शादी करने की इच्छा जताई थी। दोनों के बीच 2005 में संबंध बने थे जबकि महिला ने 2015 में शिकायत दर्ज कराते हुए दावा किया था कि जब वह उससे शादी करने की मांग करती थी तो वह उसका शारीरिक शोषण करता था।

आजम खान के बिगड़े बोल, BJP गठबंधन प्रत्याशी पर तीखा तंज, बोले- मेरे ही पैसे पर मुझ पर गुर्रा रहे हो

उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव के पहले चरण की वोटिंग के बाद दूसरे चरण के चुनाव के लिए सियासत में तल्खी देखी जा रही है। आजमगढ़ की स्वार विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। उत्तर प्रदेश निकाय चुनाव के पहले चरण की वोटिंग के बाद दूसरे चरण के चुनाव के लिए सियासत में तल्खी देखी जा रही है। आजमगढ़ की स्वार विधानसभा सीट पर उपचुनाव होना है। समाजवादी पार्टी की ओर से यूपी की इस सीट को जिताने की जिम्मेदारी आजम खान ने खुद संभाली है।जनसभा को संबोधित करते हुए सपा नेता ने गठबंधन के प्रत्याशी शफीक अंसारी पर तीखे तंज कसे। आजम खान के कहा- शफीक तुमने बिरादरी की नाक कटवा दी। शफीक को बताया नमकहराम-आजम ने आगे कहा- ये स्वार की गलियां, स्वार की सड़कें, इसका विकास और बंटने वाला पैसा ये किसका है? ये मेरे कलम का दिया हुआ है, ये मैंने दिया है। आगे आजम खान ने नाम लिए बिना शफीक को नमकहराम भी कहा। उन्होंने कहा-उसने बिरादरी की नाक कटवा दी। आजम के कहा-अरे शफीक मेरे ही पैसे पर मुझ पर गुर्रा रहे हो। साथ ही सपा नेता ने शफीक के चुनाव चिह्न प्लेट को लेकर भी तीखा तंज कसा।बता दें अपना दल ने स्वार के पूर्व पालिकाध्यक्ष शफीक अहमद अंसारी को प्रत्याशी बनाया है। भाजपा उन्हें जिताने के लिए पूरी ताकत लगा रही है। उसके नेता लगातार जनसभाएं कर रहे हैं। जिले के प्रभारी मंत्री जेपीएस राठौर ने शुक्रवार को भी जनसभा की थी। रविवार को भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह और प्रभारी मंत्री ने बिजाराखाता में जनसभा को संबोधित किया। इस जनसभा में अपना दल एस की राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल भी शामिल रहीं।

अली अभी जिंदा है, अतीक की हत्या का बदला लेने की धमकी; कहा- इंशाअल्लाह सत्ता बदलेगी फिर इलाहाबाद बोला जाएगा

प्रयागराज- 15 अप्रैल को प्रयागराज में कॉल्विन अस्पताल के सामने तीन शूटरों ने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी। अतीक अहमद की हत्या के बाद अब सज्जाद नाम के ट्विटर यूजर ने अतीक अहमद की हत्या का बदला लेने की बात कही है। जिसपर पुलिस ने एफआईआर दर्ज की है।इस यूजर ने सोशल मीडिया अकाउंट पर लिखा- अभी नसल खत्म नहीं हुई अतीक का बेटा अली अभी जिंदा है। इंशाअल्लाह हालत, वक्त और सत्ता बदलेगी फिर इलाहाबाद भी लिया जाएगा और हिसाब भी पूरा किया जाएगा। इस ट्वीट के साथ अतीक के बेटे अली का फोटो भी अपलोड किया गया है।हत्या का बदला लेने की धमकी देने पर इस यूजर के खिलाफ साइबर क्राइम थाने में धमकी देने के आरोप एफआईआर दर्ज हुई है। यह एफआईआर एडीजी कानून व्यवस्था के आदेश पर दर्ज हुई है। 15 अप्रैल को प्रयागराज में कॉल्विन अस्पताल के सामने तीन शूटरों ने अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की गोली मारकर हत्या कर दी। अतीक अहमद की हत्या के बाद अब सज्जाद नाम के ट्विटर यूजर ने अतीक अहमद की हत्या का बदला लेने की बात कही है।

निर्दलीयों के समर्थन में उतरे भाजपा सांसद वरुण गांधी, निकाय चुनाव को लेकर दिया बड़ा बयान

पीलीभीत के भाजपा सांसद वरुण गांधी के बागी तेवर कम नहीं हो रहे। निकाय चुनाव में उन्होंने भाजपा प्रत्याशियों के छोड़ निर्दलीयों का खुलकर समर्थन किया है। वरुण ने रविवार को बीसलपुर और पूरनपुर में निर्दलीय प्रत्याशियों के समर्थन में जनसंपर्क भी किया। उत्तर प्रदेश के पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने कहा कि आजकल राजनीति पैसे और बाहुबल पर टिकी हुई है। राजनीति में ईमानदार लोग काफी कम हैं। वरुण गांधी रविवार को एक दिवसीय दौरे पर जनपद पहुंचे। उन्होंने बीसलपुर नगर पालिका परिषद के चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार किया। उनके लिए जनता से समर्थन मांगा। उन्होंने पूरनपुर में भी निर्दलीय प्रत्याशी का समर्थन किया। सांसद वरुण गांधी द्वारा भाजपा प्रत्याशी को छोड़ निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार करना चर्चा में है। वरुण गांधी ने रविवार शाम बीसलपुर के डाकखाना तिराहे पर नगर पालिकाशेष खबर पेज न. 6 पर ....

संपादकीय Editorial

Spokesman for terrorism

Pakistan is a promoter, supporter and spokesperson of terrorism. Terrorism and its financing must be stopped immediately. All forms of terrorism, including cross-border terrorism, must be eliminated. It is surprising that even when the world was grappling with the Covid-19 pandemic and its all-round effects, terrorism remained intact. Ignoring terrorism would be detrimental to the security-interests of the member-countries of 'Shanghai Cooperation Organization' (SCO), so mutual consent, cooperation and solidarity is essential for effective action against terrorism. Of course the platform was of SCO, but it was felt as if India's Foreign Minister S.K. Jaishankar was addressing the whole world and warning against terrorism.

We have never heard Jaishankar speak in such a harsh tone. He indirectly termed Pakistan's Foreign Minister Bilawal Bhutto Zardari as a 'spokesman for the industry of terrorism'. Bilawal attended the meeting of SCO countries for the first time as Foreign Minister. Bilawal said that terrorism should be kept separate from diplomacy.

However, he was forced to say that the collective security of our people is our joint responsibility. Terrorism remains a threat to global security. Pakistani Foreign Minister raised the issue of Kashmir, Article 370 and meeting of G-20 countries, then our Foreign Minister Jaishankar gave a clear answer that Article 370 is now 'history'. Pakistan has nothing to do with the G-20 meeting and now Pakistan should tell when will it vacate its illegally occupied Kashmir (PoK)? SCO has many countries members including India, China, Russia, Uzbekistan, Kyrgyzstan, Tajikistan, Kazakhstan and Pakistan etc. Presently India is presiding over this organization and there was a meeting of foreign ministers of member-countries in Goa.

Now the meeting of Defense Ministers is also to be held. Among the proposals made by India for a joint declaration, there are issues including terrorism, coarse grains, energy, food, fertilizers, climate change etc. The President or Prime Minister of these countries will come to New Delhi and participate in the summit to be held in July. , he should at least make a decisive announcement on terrorism. Although terrorism has been raised in the United Nations and various global fora, but the definition has not been decided. Pakistan has been told many times that the perpetrators and victims of terrorism cannot sit together. Talking is a far cry.

India has not held bilateral talks with Pakistan since 2008, but diplomatic relations continue. However, trade between the two countries is also negligible. If there were better relations, then the people of Pakistan would not have to come on the streets for bread and flour. There is no need to yearn for livelihood.

If India has helped many countries including Sri Lanka financially and with food grains, then it could have helped Pakistan as well. We have declared Pakistan a 'terroristan' on world forums.

Now new adjectives have also been given, but in the last 15 days, 10 of our brave soldiers have also been 'martyred' in Kashmir. When the dead body of the martyr reaches his house-courtyard and the youth see the closed eyes of the child, not only the family members but also the village-community's heart breaks.

These tragedies must be mitigated. Terrorism is the foundation, so how can there be relations with Pakistan?

Neighborhood: The seeds of disunity in the midst of leadership crisis in Pakistan, the role of civil war is being written

There the voices of rebellion against the army are loud, the role of civil war is being written and there is a severe lack of leadership. To say that Jinnah alone was responsible for the formation of Pakistan at the instigation of the British is a narrow view. Pakistan is actually the culmination of a global religious thinking. The idea of Pakistan has come forward strengthened by the thoughts of Shah Waliullah, Sheikh Sirhindi, Sir Syed Ahmed and Allama Iqbal, whose last link was Jinnah. How easy it was to become Pakistan, no one went to jail, and no one fired a bullet! There were fierce riots from Hindus for Pakistan, but there was never any war of independence from the British. Jinnah had also said, I had built Pakistan on the basis of my steno and typewriter. It is true that Jinnah accepted the Cabinet Mission Plan for the Unity of a United India, but that plan envisaged a weak, limited center with limited authority. Jinnah turned away from the United India plan after Nehru's statements. Even if he had accepted a united India, it would not have been possible to prevent the partition of India on communal lines just a few years after 1947. Pakistan as a religious idea had gone beyond the limits of passion. Jinnah openly said that Hindus and Muslims cannot live together. It was the same Jinnah who in 1919-20 opposed Gandhiji's introduction of religion and mullahs into politics. But later he had taken off the nationalist secular outfit. The Khilafat Movement, a long series of Hindu-Muslim riots, and the alienation created by the political principle of separate religious electorates led to the emergence of the idea of Pakistan. After 1940, till the day of independence came, the world's first Islamic country Pakistan also came into existence. Instead of being President or Prime Minister of Pakistan, Jinnah became Governor General in the tradition of British Viceroys. This was not the way of democracy. It was from here that the role of dispersion also started being written. Before the coming of military rule, there was a rapid change of prime ministers. The only issue with that country was Kashmir. The language was Urdu, whose insistence on making it the national language separated Bangladesh and divided Pakistan into two pieces. With the formation of Bangladesh, the principle of two-nationalism, the basic foundation of Pakistan, also collapsed. Standing on a weak foundation, this country would have disintegrated long ago, but India's secular leadership showed great affection towards Pakistan. After the debacle of 1971, an incomplete, aimless Pakistan was now dependent only on the mullahs and the military. Despite Pakistan's invasion of Kashmir, our secular leaders appealed to the United Nations for not declaring war. The seeds of separation were further sown through Article 370. Our leaders, knowing that we are the only targets of Pakistan's nuclear bombs, did not try to hinder it. Pakistan had no historical, cultural, linguistic or economic basis. Now Islam and Kashmir Jihad was his only target. This country, which lives on American dollars, did not have time for its economic progress. Debt became its only support, which is now equal to about 21 trillion dollars. This debt is equal to sixty times of Pakistan's total annual GDP, which is impossible to pay. Tehreek-e-Taliban Pakistan has come under the influence of about one-third of the area of Pakistan's border province Khyber Pakhtunkhwa along the Durand Line. Baloch rebels have joined hands with Taliban Pakistan. The voices of rebellion against the army are loud. The civil war is being scripted and there is a severe lack of leadership. It is not visible whether there is anyone crying for Pakistan in this period of fragmentation.

Nritya Yatra: Artists displaced by Aurangzeb's terror, Siddendra Yogi's meditation gave new life to Kuchipudi

From last Sunday on International Dance Day, we have started this series based on Indian dances. Every Sunday we will try to give you information about yesterday, today and tomorrow of Indian dances through this. Last week you read about Kathak, today know the charm, alamban and ornamentation of Kuchipudi, the famous dance style of South India..! Kuchipudi is a traditional style of Indian dance. Around the third and fourth decades of the last century, this dance form originated from the long and rich tradition of dance-drama of this name. As the name implies, 'Kuchi' means dance and 'Pudi' means field. Some scholars say that its artists used to live in groups on the banks of the river Saraswati, then when the attacks of invaders started in India, they came from there to Andhra Pradesh. It is from here that the spontaneous journey of this dance begins. Gangotri of Kuchipudi - There is a village named Kuchipudi in the Krishna district of Andhra Pradesh. 35 kms from Vijayawada.

A long tradition of this dance-drama style originated from this village, which was known by the caste name of Yakshagana. But just as the land of India has seen blood flowing and blossoming flowers, in the same way Indian arts have also seen difficulties, but at the same time it has also seen the austerity of that sadhana flourish.An instrument of devotion to God - Kuchipudi dance to God The instrument of devotion has undergone many changes over time and at the same time the artists have made changes keeping in mind the purity of its soul, which has made this art very beautiful and wonderful through those changes. When Kuchipudi dance came to Andhra, it was part of the Bhakti movement. When India was ruled by the Mughals, Aurangzeb banned Indian art and music in the 16th century. At the same time these 500 families came towards Andhra but there was no employment opportunity and the rulers there gave them Kuchipudi village after seeing the performance of the artists, from which this dance form was named Kuchipudi. This dance art has been performed in the evening in the courtyard outside the temple in the light of lamps.

Siddendra Yogi lit the torch - In the middle of the 18th century, the authority of Madras reached the East India Company. Performing arts were banned, perhaps because they were afraid that the people present here might turn against them by forming an organization. Then the artists made a revolution and they had to remove this ban. 1886 to 1956 was a historic period for Kuchipudi and further cemented its spiritual roots. They were flourished by the talented Vaishnava poet and seer Siddhendra Yogi by imagining the Kuchipudi style in the form of Yakshagana. He had an amazing ability to give tangible and real form to his imaginations. Siddhendra Yogi, the author of a poem called Krishnalila Tarangini in Sanskrit, under the guidance of his guru Tirthanarayan Yogi, became engrossed in the literary tradition of Yakshagana. Requesting to compose a dance drama based on the legend of bringing Parijat for the most beloved queen Satyabhama. Complying with this request, Siddhendra Yogi got excited and composed Bhamakalapam, which is still considered the piece-de-resistance of Kuchipudi theatre. Siddhendra Yogi encouraged the Brahmin youths of Kuchipudi village to present their compositions, especially Bhamakalapam. The presentation of Bhamakalapam was a stupendous success.

Its aesthetic appeal was widespread. At that time all the artists were men and the female characters presented by them were the best. The high level of female character impersonation or avatar wearing can be seen in the example of Vedantam Satyanarayan Sharma playing the role of Satyabhama. Spread of solo performance- The followers or disciples of Siddhendra Yogi composed many plays and even today the tradition of Kuchipudi dance-drama exists. Lakshmi Narayan Shastri (1886-1956) incorporated many new elements in this style including solo dance performance and training of female dancers. Solo dance performances existed earlier too, but only as a part of dance dramas in proper sequences. Sometimes, even when not required in the performance of the drama, solo dance performances were performed to increase the request or request and to interrupt the performance. Tarangam inspired by Tirthanarayan Yogi's Krishna-Leela-Tarangini is one such presentation.

balance and footwork- Over time, skills such as dancing on the edge of a brass plate and dancing with a pitcher full of water on the head were added to Kuchipudi to demonstrate body balance and footmanship and the skills of the dancers in its control. By the middle of the last century, the Kuchipudi dance form was fully established as a completely independent classical solo dance form. Thus there are now two styles of Kuchipudi dance: dance-drama and solo dance-performance. From the late forties of the century, the order of solo performances expanded rapidly. Journey of Kuchipudi Artists- Kuchipudi got guidance from artists like Satendra Yogi, Vempatti Chennai Satyam. Among the learned artists who are giving direction to it at present, Radha Reddy and her family, Professor P Rama Devi, Malika Sarabhai etc. are making it flourish. Silicon of Professor P Rama Devi Hyderabad There is a teacher of Kuchipudi in the university. He has composed 7 books which are written on Natyashastra and Kuchipudi. He says that there is an urge to learn Kuchipudi dance among the youth. Based on her experience of more than 40 years, she says that to master the Kuchipudi dance, it is necessary to focus on the goal. Kuchipudi dance has an important place in South Indian films which makes it popular.

परख और पहुंच पोर्टल से विद्यार्थियों को मिलेगी मदद

मुरादाबाद-माध्यमिक शिक्षा परिषद विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए दो नए पोर्टल पहुंच और परख 19 मई लांच करेगा। पहुंच की मदद से विद्यार्थी अपने आसपास के क्षेत्र में रुचि के अनुसार कॉलेज तलाश कर सकेंगे। वहीं, परख के जरिए विद्यार्थी करियर के विकल्प तलाश कर सकेंगे। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद विद्यार्थियों के लिए लगातार काम कर रहा है। विभाग विद्यार्थियों के भविष्य को सुरक्षित करने का प्रयास कर रहा है। यहीं नहीं इन्हें बेहतर करियर विकल्प प्रदान करने की कोशिश कर रहा है। जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ. अरुण कुमार दुबे ने बताया कि परिषद विद्यार्थियों के भविष्य के लिए दो नए पोर्टल लांच करेगा। परख पोर्टल के जरिए विद्यार्थी विषय विशेष से जुड़े करियर के विभिन्न विकल्प तलाश सकेंगे। खासतौर पर यह विद्यार्थियों को रोजगार शिक्षा से जोड़ेगा। इसके अलावा उन्हें भविष्य के लिए बेहतर विकल्प देगा। जिससे उनको करियर बनाने व चुनने में आसानी होगी। वहीं, पहुंच पोर्टल की मदद से विद्यार्थी अपने आसपास के क्षेत्र में रुचि के अनुसार कॉलेज तलाश कर सकेंगे। साथ ही जानकारी ले सकते हैं कि किस वर्ग से भविष्य में रोजगार की क्या संभावनाएं हैं। पसंदीदा कोर्स व स्ट्रीम किस कॉलेज में या संस्थान में उपलब्ध है। जानकारी के अनुसार दोनों नए पोर्टल 19 मई से शुरू किए जाएंगे। यह दोनों पोर्टल विद्यार्थियों की बहुत सी परेशानियों को दूर करने में मदद करेंगे

घर बैठे पिज्जा ऑर्डर करने से भी आसान यूपीकॉप पर शिकायत दर्ज कराना

मुरादाबाद- घर बैठे पिज्जा ऑर्डर करना और ऑन लाइन शॉपिंग करने से भी आसान है यूपीकॉप पर शिकायत दर्ज कराना। बावजूद इसके लोग अपने प्रार्थना पत्र लेकर थाने और चौकी के चक्कर लगाते रहते हैं। जिसमें अपना समय और आने जाने में पैसा की बरबादी करते हैं। जागरूकता की कमी के कारण लोग इस एप का सही इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने 2018 में यूपी कॉप एप लांच किया था। थाने से संबंधित सारे काम घर बैठे कराए जा सकते हैं। वाहन चोरी की एफआईआर करानी हो या किसी कार्यक्रम की अनुमति लेनी हो। चरित्र सत्यापन कराना हो या गुमशुदगी दर्ज करानी हो। इतना ही नहीं अपनी शिकायत या सत्यापन का अपडेट भी लिया जा सकता है। एप से दर्ज कराई गई एफआईआर भी देखी जा सकती है और डाउनलोड भी की जा सकती है। इतनी सारी सुविधाएं होने के बावजूद लोग थाने चौकी के चक्कर लगा रहे हैं।

यूपीकॉप पर अनुमति के लिए भी कर सकते हैं आवेदन

प्रदर्शन, हड़ताल, कार्यक्रम, फिल्म शूटिंग के लिए अनुमति को आवेदन कर सकते हैं। चोरी हुए वाहनों की बरामदगी, पुलिस स्टेशन की लोकेशन, अज्ञात शवों की जानकारी, गुमशुदा लोग, इनामी बदमाश, गिरफ्तार आरोपियों की जानकारी थानावार ली जा सकती है। खाते से रकम निकल जाने की शिकायत, चरित्र सत्यापन, कर्मचारी सत्यापन, किरायेदार सत्यापन के लिए भी इस एप का प्रयोग किया जा सकता है।

ऐसे कर सकते हैं डाउनलोड

उत्तर प्रदेश पुलिस का यूपी कॉप मोबाइल एप डाउनलोड करने के लिए गूगल प्ले स्टोर पर जाना होगा। वहां यूपी कॉप एप सर्च करके इंस्टाल ऑप्शन पर क्लिक करें। इसके बाद एप डाउनलोड हो जाएगा। उत्तर प्रदेश पुलिस ने लोगों की सुविधा के लिए यूपीकॉप एप लांच किया था। इस एप के जरिए लोग शिकायतें भी दर्ज करा रहे हैं। इसके लिए लोगों को जागरूक भी किया जा रहा है। पुलिस टीमें लगातार मोहल्ले, चौराहों और गांवों में जाकर इसकी जानकारियां दे रही हैं। लोग इस एप का इस्तेमाल भी कर रहे हैं।
हेमराज मीना,एसएसपी

डीसीएम की टक्कर से मजदूर की मौत

मुरादाबाद-मूंढापांडे (मुरादाबाद)। मूंढापांडे क्षेत्र में शनिवार को डीसीएम ने एक मजदूर को टक्कर मार दी। इस हादसे में उसकी मौत हो गई मूंढापांडे निवासी अनेक पाल सिंह(32) मजदूरी रहता था। होली पर सुसराल जाते समय रामपुर हाईवे पर हादसा हो गया था।

जिससे उसका हाथ में फैक्चर गया था। अभी उसका उपचार चल रहा था। शनिवार करीब एक बजे करनपुर से दवाई लाने के लिए गांव के पास वाहन का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान करनपुर की ओर से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने किसी वाहन को ओवरटेक करते समय टक्कर मार दी। जिससे उसके सिर पर पहिया उतर जाने से उसकी मौके पर मृत्यु हो गई है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्ट मार्टम को भेज दिया। एस एच ओ रवींद्र प्रताप सिंह ने बताया कि मृतक के भाई बंटी की तहरीर पर चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

गरीब श्रमिकों के बच्चों के लिए वरदान हैं विहान आवासीय विद्यालय, हर साल निखर रहीं बेटियां

मुरादाबाद-निजी स्कूलों की महंगी शिक्षा के दौर में श्रमिकों के लिए विहान आवासीय बालक-बालिका विद्यालय वरदान जैसे है। पंजीकृत श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाकर उन्हें योग्य नागरिक बनाने में यहां संविदा पर कार्यरत शिक्षक-शिक्षिकाएं, स्टाफ बच्चों का भविष्य संवारने में जुटे हैं। उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड से संचालित इन विहान आवासीय बालक-बालिका विद्यालयों का उद्देश्य श्रमिक माता-पिता की गरीबी तथा साधनहीनों को शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ना है। ऐसे बच्चों को आवासीय विद्यालय में प्रवेश दिलाकर पंजीकृत निर्माण-श्रमिकों के 6 से 14 वर्ष तक की आयु वर्ग के बच्चों को प्राथमिक, जूनियर हाईस्कूल स्तर की गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करना है। प्रदेश के मुरादाबाद, मेरठ, गाजियाबाद, कन्नौज, कानपुर, भदोही, ललितपुर, बहराइच, आजमगढ़, आगरा, इटावा और फिरोजाबाद में विद्यालय का संचालन उत्तर प्रदेश भवन एवं सन्निकार कर्मकार बोर्ड, लखनऊ विश्वविद्यालय के सहयोग से कर रहा है।

हर साल निखर रहीं बेटियां

मुरादाबाद के आशियाना फेज दो संचालित विद्यालय में चालू सत्र में 80 का प्रवेश हो चुका है। यहां बेटियों को कक्षा छह से आठ और ड्राप आउट बेटियों को कक्षा एक से तीन स्तर के ज्ञान के अनुसार ब्रिज कोर्स प्रथम वर्ष और चार-पांच के स्तर की ड्राप आउट बेटियों को ब्रिज कोर्स द्वितीय वर्ष में नामांकित कर ज्ञान दिया जा रहा है।

यह है प्रवेश की पात्रता

लाभार्थी के रूप में पंजीकृत सभी निर्माण-श्रमिकों के ऐसे पुत्र,पुत्रियां जिनकी आयु 6 से 14 वर्ष के मध्य है। आवासीय विद्यालयों में प्रवेश पाने के पात्र हैं। उन्हें इन विद्यालयों में निशुल्क शिक्षा और आवासीय सुविधाएं दी जाती हैं। हर आवासीय विद्यालय में कम से कम पांच कक्ष होंगे। जिसमें से एक कक्ष अध्यापकों, एक कक्ष कार्यालय के लिए और तीन कक्ष बच्चों की शिक्षा के प्रयोग के लिए होने चाहिए। प्रथम दो कक्ष 1520 वर्ग फीट क्षेत्रफल के तथा शेष 3 कक्ष 2525 वर्ग फीट क्षेत्रफल के होने चाहिए। प्रत्येक विद्यालय में कम से कम तीन शौचालय, स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था तथा बिजली कनेक्शन का होना जरूरी है। विद्यालय में हर सत्र में 100 बच्चियों का नामांकन होता है। वर्तमान सत्र में 80 नामांकन हुआ है। विद्यालय आवासीय सुविधायुक्त है। कक्षा एक से पांच तक के स्तर के ऐसे बच्चे जो कभी स्कूल नहीं गए या किन्हीं कारणों से ड्राप आउट हैं उन्हें ब्रिजकोर्स प्रथम और द्वितीय में रखकर पढ़ाया जाता है। पंजीकृत श्रमिकों के परिवार की बच्चियों को शिक्षा की मुख्य धारा में लाकर उन्हें देश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने योग्य बनाना प्राथमिकता है।-
बीना पाल, अधीक्षिका (वार्डन), विहान बालिका आवासीय विद्यालय आशियाना फेज दो, मुरादाबाद

भोजपुर में झोलाछाप डॉक्टर और यूट्यूबर छाप रहे थे नकली नोट, गिरफ्तार

मुरादाबाद- स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने भोजपुर में दबिश देकर नकली नोट छाप रहे झोलाछाप डॉक्टर और यूट्यूबर को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने गोदाम के ऊपर बने कमरे में सेटअप लगा रखा था। टीम ने मौके से एक लाख बीस हजार रुपये के नकली नोट और नोट छापने में इस्तेमाल कागज, लैपटॉप व अन्य सामान बरामद किया है। आरोपियों ने पूछताछ में कबूला है कि उन्होंने उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में 50 प्रतिशत की कमीशन पर नोट खपा चुके हैं। एसटीएफ की बरेली यूनिट में तैनात एसआई राशिद अली ने शुक्रवार देर रात भोजपुर थाना क्षेत्र के पीपलसाना चौराहा स्थित एक गोदाम में दबिश दी। टीम जीने से ऊपर पहुंची तो दो व्यक्ति यहां नकली नोट छाप रहे थे। टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। पूछताछ में एक व्यक्ति ने अपना नाम झोलाछाप डॉक्टर नफीस अहमद निवासी कमालपुर फतेहाबाद थाना कुंदरकी बताया। आरोपी झोलाछाप डॉक्टर है, जबकि दूसरा आरोपी यूट्यूबर मोहम्मद नाजिम भोजपुर के मोहल्ला चौधरियान मदीना मस्जिद निवासी है। दोनों आरोपी आपस में दोस्त हैं। मो. नाजिम के पीपलसाना चौराहा स्थित गोदाम के ऊपर बने कमरे में आरोपी छह माह से नकली नोट छाप रहे थे। आरोपियों ने पूछताछ में कबूला है कि उन्होंने नोट छापने के बाद उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, उत्तराखंड औ हरियाणा समेत अन्य राज्यों में नाजिम की बहन सहनाज से सप्लाई कराई है। आरोपियों ने निकाय चुनाव में भी नकली नोटों की सप्लाई कर चुके हैं। भोजपुर थाने में डॉ. नफीस, नाजिम और नाजिम की बहन सहनाज के खिलाफ केस दर्ज किया है। शनिवार को दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है, पुलिस सहनाज की तलाश कर रही है।

कॉमेडियन उस्मान भारती का भाई है यूट्यूबर, बहन करती थी सप्लाई

एसटीएफ की पूछताछ में मो. नाजिम ने बताया कि वह कॉमेडियन उस्मान भारती का भाई है। उसने भाई के साथ कई वीडियो बनाए हैं। आरोपी ने बताया कि वह डॉक्टर के साथ नोट छापने के बाद अपनी बहन सहनाज के जरिए सप्लाई करते थे। टीम ने सहनाज की तलाश में उसके घर दबिश दी लेकिन वह टीम के पहुंचने से पहले भी भाग निकली। शहनाज बुर्का पहनकर यूपी समेत अन्य राज्यों में नोट पहुंचाने जाती थी। ये सामान बरामद हुए, 20 रुपये के 6000 हजार नकली नोट, 03 स्मार्ट मोबाइल फोन, 01 लेमीनेशन मशीन, 01 प्रिंटर, 01 एक प्रिंटर इनविल्ड स्कैनर, दो रिम नोट बनाने का कागज, हरे और सिल्वर रंग के एक-एक रोल, नोटों पर तार बनाने के लिए, लैपटॉप, 800 रुपये

आसानी से खप जाते हैं बीस-बीस के नकली नोट

आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उन्होंने पहले पांच सौ रुपये और सौ रुपये के नोट छापे थे, लेकिन वह मार्केट में नहीं चल पाए। इसके बाद उन्होंने बीस बीस रुपये के नकली नोट छापे। बीस रुपये के नोट मार्केट में आसानी से चलने लगे। इसके बाद उन्होंने फिर बीस बीस के नोट ही छापने शुरू कर दिए थे।

झोलाछाप पहले भी जा चुका है जेल, यूट्यूब पर सीखा नोट छापना

एसटीएफ के दरोगा राशिद अली ने बताया कि आरोपी डॉ. नफीस अहमद पहले भी नकली नोटों की सप्लाई करने में जेल जा चुका है। तब आरोपी पश्चिम बंगाल के मालदा से नकली नोट लेकर आता था और यहां सप्लाई करता था। जेल से छूटने के बाद उसने अपने साथी मो. नाजिम से संपर्क किया। इसके बाद दोनों ने पहले पश्चिम बंगाल के लोगों से संपर्क करने की कोशिश की। लेकिन डॉक्टर समझ गया था कि वह मालदा के लोगों से संपर्क करता है तो पुलिस और एसटीएफ उसे ट्रेस लेती है। इसके बाद उसने मालदा के लोगों से संपर्क करना बंद कर दिया। इसके बाद उसने नाजिम के साथ मिलकर यूट्यूब पर नोट छापने का तरीका सीखा। इसके बाद दोनों ने भोजपुर में सेटअप लगाया और नोट छापने लगे।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की मशाल का किया स्वागत, कंपोजिट विद्यालय काशीराम नगर में हुआ आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद- बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की टार्च रिले मशाल का स्वागत सोमवार को नगर क्षेत्र के कम्पोजिट विद्यालय काशीराम नगर में किया गया। उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से खेलो इंडिया अभियान के प्रचार-प्रसार के लिए भेजी गई वैन के साथ जिले के विभिन्न खिलाड़ियों, कोच, खेल संघों के प्रतिनिधियों और अधिकारियों ने विद्यालय में पहुंचकर खेलों के प्रति जागरूक किया। टार्च रिले के स्वागत अवसर पर कम्पोजिट विद्यालय काशीराम नगर और प्राथमिक विद्यालय झांझनपुर के बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देने के साथ योग कौशल का प्रदर्शन किया गया। जिला ओलंपिक संघ के सचिव अजय पाठक ने खेलो इंडिया अभियान की जानकारी दी। बताया कि लखनऊ से चलकर टार्च रिले जिले में पहुंची है। उन्होंने बताया कि खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 25 मई से 30 जून तक चलेंगे। इनका आयोजन प्रदेश के विभिन्न जनपदों में किया जाएगा। जिला क्रीड़ा अधिकारी प्रेम कुमार ने बच्चों से खेलों में रुचि दिखाने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन राहुल शर्मा ने किया। इस दौरान प्रधानाध्यापक रत्नेश बाला, राहुल शर्मा, अंतरराष्ट्रीय बॉक्सिंग कोच संतोष क्षेत्री, प्रदीप सक्सेना, रोशनी वर्मा, शालिनी सिंह, अर्शी सिद्दीकी, रश्मि यादव, कंचन सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

जिलाधिकारी ने खेलों इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 हेतु खिलाडियों को अपनी शुभकामनाएं दीं

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद -जिलाधिकारी श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने कलेक्टेªट सभागार में खेलो इण्डिया टीम के खिलाड़ियों से मुलाकात की, जिसके उपरान्त खेलों इण्डिया टीम के वालंटियर श्री प्रद्युम्न द्वारा मशाल जिलाधिकारी को भेंट की गयी। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने मशाल को खिलाड़ियों को भेंट की और आगामी खेलों इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 हेतु अपनी शुभकामनाएं दी तथा खिलाड़ियों का हौसला अफजाई किया। खेलों इण्डिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2022 के तृतीय संस्करण का आयोजन इस वर्ष उत्तर प्रदेश के 4 जनपदों में किया जा रहा है, जिसके प्रचार-प्रसार हेतु उत्तर प्रदेश शासन द्वारा खेलों इण्डिया की टीम को जनपदों में भेजा गया है,

जिसके क्रम में आज प्रातः 7 बजे रैली का शुभारम्भ सर्किट हाउस मुरादाबाद से अन्तर्राष्ट्रीय खिलाडी श्रीमती सरिता सिंह द्वारा किया गया। रैली में बहुसंख्या में उपस्थित खिलाड़ियों सहित सर्किट हाउस से रैली प्रातः 7 बजे प्रारम्भ होकर रैली शहर के मुख्य चैराहों एवं मार्गो से होते हुए 9 बजे स्टेडियम पहुंचीं, रैली के मार्ग पर शिक्षा विभाग एवं बेसिक शिक्षा विभाग के छात्र/छात्राओं, स्काउट गाइड के छात्र, जिला युवा कल्याण विभाग के मंगलदल के सदस्यों द्वारा ताली बजाकर रैली का उत्साहवर्धन किया गया। इसके पश्चात् स्टेडियम में उपस्थित खिलाडियों द्वारा मशाल को हाथ में लेकर दौड़ लगाई गई। इस अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय खिलाडी श्रीमती सरिता सिंह, क्रीडा अधिकारी प्रेम कुमार, जिला युवा कल्याण अधिकारी श्री नरेश चैहान, सचिव जिला स्काउट गाइड श्री सुरेन्द्र वर्मा, सहित संबंधित अधिकारी एवं खेलों इण्डिया टीम के खिलाड़ी मौजूद रहे।

जमीनी विवाद में सगे भाइयों के बीच फायरिंग, गोली लगने से एक घायल

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद- कटघर थाना क्षेत्र में उस वक्त हड़कंप मच गया जब दो भाइयों के बीच जमीनी विवाद को लेकर फायरिंग शुरू हो गई। गोलियों की तड़तड़ाहट से पूरा इलाका गूंज उठा। लोगों ने गोलियों की आवाज सुनकर पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया सीओ कटघर शैलजा मिश्रा भारी फोर्स के साथ मौके पर पहुंच गए और फायरिंग में घायल का इलाज के लिए जिला अस्पताल भेज दिया।

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी,डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा इससे उत्पन्न समस्त

अखिलेश का BJP पर तंज, पूछा- पहलवानों को लेकर चुप क्यों सरकारें? मेरठ की हालत देख उठाए सवाल

मेरठ में अखिलेश यादव का रोड शो -अखिलेश ने मेरठ पहुंचते ही भाजपा पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पहलवानों को लेकर भाजपा सरकारें चुप क्यों हैं? निकाय चुनाव में गठबंधन भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ना चाहता है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व सीएम अखिलेश यादव भी यूपी के अलग-अलग शहरों में जनसभा और रोड शो कर रहे हैं। अखिलेश यादव आज यानि सोमवार को मेरठ पहुंचे हैं। पूर्व सीएम अखिलेश यादव मेरठ में सपा प्रत्याशी सीमा प्रधान व पार्षद उम्मीदवारों के लिए वोट मांगने पहुंचे हैं।

नौ किलोमीटर में हुआ रोड शो

बता दें कि रोड शो दलित-गुर्जर बाहुल्य गांव लिसाड़ी से शुरू होकर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में पहुंचा। रोड शो अंजुम पैलेस, ट्यूबवेल तिराहा, गोला कुंआ से होते हुए कांच का पुल पर पहुंचा। जहां जगह-जगह कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से स्वागत किया। महिलाओं ने छतों से फूल बरसाए। करीब नौ किलोमीटर का रोड शो करने के बाद अखिलेश यादव शहर विधायक रफीक अंसारी के करीम नगर स्थित आवास पर पहुंचेंगे।

अखिलेश ने पूछा- पहलवानों के लिए चुप क्यों भाजपा सरकारें?

अखिलेश यादव ने कहा कि देश की महिला पहलवानों के लिए केंद्र व प्रदेश सरकारें चुप हैं। कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना होगा। वहीं, अखिलेश ने कहा कि भाजपा सपा को परिवारवाद वाली पार्टी बताती है लेकिन, भाजपा स्वंय आरएसएस से मिलकर परिवारवाद चला रही है। हवाई पट्टी पर भी देखा गया कि मेरी सुरक्षा में इंटेलिजेंस, एलआईयू लगाई हुई है। जिससे अखिलेश को मीडिया से दूर रखा जाए। अखिलेश यादव ने पत्रकारों से वार्ता में कहा कि भाजपा सरकार ने मेरठ व अलीगढ़ को स्मार्ट सिटी बनाने का वादा किया था लेकिन, हालात उल्टे हैं। गलियों में गंदगी नाले अटे पड़े हैं। रोजाना लाखों टन कूड़ा शहर से निकलकर गंगा में डाला जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेरोजगारी चरम पर पहुंच गई। रोजगार के झूठे वादे किए जा रहे है। मेडिकल कॉलेजों की हालत खराब है। मुख्यमंत्री को स्वंय ही नहीं पता कि मेडिकल की व्यवस्था कैसे की जाती है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री शाहिद मंजूर, विधायक रफीक अंसारी, आदिल चौधरी, जयवीर सिंह, अयूब अंसारी, योगेश वर्मा, कर्मवीर गूमी, पुष्पेंद्र, जयराज चपराना, आकाश भड़ाना, अशोक कुमार जाटव, नीटू गुर्जर सहित सैंकडों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सोनभद्र में गरजे डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक: बोले- अब यूपी के गुंडाराज की नहीं, विकास की होती है चर्चा

निकाय चुनाव के लिए नगर के आरटीएस क्लब मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा में उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। विकास योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने हर गरीब को पक्की छत, शौचालय, आयुष्मान कार्ड, गैस सिलिंडर, हर घर नल से जल उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में बदलाव लाया है।उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दावा किया कि पिछले छह वर्षों में प्रदेश में कानून का इकबाल बढ़ा है। गुंडों की नाक में नकेल डाल दी गई है। माफिया जेल में हैं या फिर प्रदेश छोड़कर भाग गए हैं। यूपी के प्रति लोगों की धारणा बदली है। अब यहां के गुंडाराज की नहीं, विकास की चर्चा होती है। व्यापारी भयमुक्त होकर अपना व्यापार कर रहे हैं।निकाय चुनाव के लिए नगर के आरटीएस क्लब मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा में उप मुख्यमंत्री ने केंद्र व प्रदेश सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। विकास योजनाओं की चर्चा करते हुए कहा कि

भाजपा सरकार ने हर गरीब को पक्की छत, शौचालय, आयुष्मान कार्ड, गैस सिलिंडर, हर घर नल से जल उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर में बदलाव लाया है। दुनिया में भारत की ताकत बढ़ी है, जिसकी बदौलत यूक्रेन और सूडान में फंसे लाखों भारतीयों की सकुशल भारत लाया जा सका। कांग्रेस से विरासत में बिगड़ी अर्थव्यवस्था को भाजपा सरकार ने सुदृढ़ किया। आज भारत दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था बन चुका है। वर्ष 2047 तक इसे तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य है। इसमें यूपी की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि पहले यूपी में गुंडे रहते थे। इस कारण उद्योगपति यहां आने में कतराते थे। वर्ष 2017 के बाद यहां कानून का राज स्थापित हुआ है। यूपी के प्रति लोगों की धारणा बदली है। महिलाओं-बहनों को परेशान करने वाले 25 हजार से अधिक बदमाशों पर कार्रवाई हुई है।

अब गुंडे कागज पर लिखकर थाने जाते हैं कि हमें गिरफ्तार कर लो। संकल्प पत्र के हर वादे को हमने पूरा किया है। सभी जिलों को फोर लेन से जोड़ा गया है। जिला मुख्यालयों पर 24 घंटे बिजली मिल रही है। दिल्ली-लखनऊ से आने वाला पैसा प्रत्येक लाभार्थी तक पहुंचे इसके लिए नगरों में भी भाजपा की सरकार बनानी जरूरी है। सड़क, नाली का निर्माण, पार्कों-चौराहों का सुंदरीकरण कराया जाएगा। उन्होंने जिले की सभी दस निकायों से भाजपा और सहयोगी दलों के चेयरमैन व सभासद प्रत्याशियों को जीत दिलाने की अपील की। इस मौके राज्यसभा सांसद रामशकल, दर्शना सिंह, जिलाध्यक्ष अजीत चौबे, राज्य मंत्री संजीव गोंड सहित सभी विधायक, पार्टी प्रत्याशी व पदाधिकारी मौजूद रहे। संचालन जिला प्रभारी अशोक चौरसिया ने किया।

दबाव में आए भाजपा सांसद ब्रजभूषण बोले, कुश्ती के लिए सबकुछ लुटा दिया, अपनी जेब से दिए 30 करोड़

जाट समुदाय और खापों के पहलवानों को समर्थन में आने से दबाव में आए ब्रजभूषण शरण सिंह ने सोशल मीडिया पर अपनी बात रखी और पहलवानों की मदद के लिए किए गए कार्यों का ब्यौरा दिया। पहलवानों के आरोपों के समर्थन में जाट समुदाय और खाप पंचायतों के उतरने से दबाव में आए भारतीय कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष व भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने सोशल मीडिया पर लाइव आकर अपनी बात रखी। बृजभूषण ने कहा- जो पहलवान धरना दे रहे हैं, हमने हमेशा उनका साथ दिया। देश की कुश्ती के लिए अपना सब कुछ लुटा दिया। अपनी जेब से 30 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। विदेश से मेडल लाने वाले पहलवानों को मैं अपने पास से डॉलर देता था। जो विरोध कर रहे हैं उन सभी लोगों ने मेरे हाथों से डॉलर लिए हैं। यौन शोषण के आरोपी बृजभूषण ने कविताओं के माध्यम से इशारों-इशारों में काफी कुछ कहा। वह बोले- बात ऐसी करो, जिसका आधार हो... चाचा-ताऊ को संबोधित कर कहा- यह लड़ाई मैं आपके बच्चों (जूनियर पहलवानों) के लिए लड़ रहा हूं। जो बच्चे ओलंपिक का सपना लेकर तैयारी कर रहे हैं। जो परिवार पहलवान को तैयार करने के

लिए अपना पेट काटकर व्यवस्था करते हैं, यह लड़ाई उनके हक की है। बृजभूषण ने कहा- चाचा-ताऊ मेरी बात न मानो तो पहलवानी करने वाले अपने गांव के किसी बेटे-बेटी को एक मिनट अकेले में बुलाकर पूछ लेना। खुद ही पता चल जाएगा कि जो आरोप बृजभूषण शरण सिंह पर लगा है वह सही है या गलत। बृजभूषण ने फिर दोहराया- एक भी गुनाह सही साबित हो जाए तो मैं फांसी पर लटक जाऊंगा। इनके पास कोई फोटो या वीडियो नहीं है, मैंने कभी इनको फोन तक नहीं किया। सांसद ने कहा- तीन-चार महीने में जब भी जांच रिपोर्ट आएगी तो मेरे चाचा-ताऊ कहीं आपको पछताना न पड़े। जांच जब भी पूरी होगी तो मैं आपकी खाप पंचायत में आऊंगा। अगर मैं गलत पाया गया तो आप चप्पल से पीट-पीटकर मेरी जीवनलीला समाप्त कर देना। कहा- चाचा-ताऊ किसी स्वाभिमानी आदमी के चरित्र को मार दो तो वह स्वयं ही मर जाएगा। आज यही हो रहा है। यह सब विवाद उस नियम से है जो मैंने बनाया कि कैंप में आना है तो नेशनल खेलना पड़ेगा। कहा- चाचा-ताऊ कॉमनवेल्थ का ट्रायल देख लो, जो हीरो पहलवान हैं उनको विशेष सुविधा न मिलतीं तो मेडल न मिलता। अब मैं नियम में छूट नहीं दूंगा। बृजभूषण ने खाप पंचायतों से कहा कि आप गलती न करें।

देवर ने विधवा भाभी से किया दुष्कर्म, सास-ससुर ने दी मुंह बंद रखने की धमकी, केस दर्ज

लखनऊ के इंदिरा नगर में एक महिला ने अपने देवर पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज करवाई है। मामले में सास-ससुर ने महिला को मुंह बंद रखने की धमकी दी थी।लखनऊ इंदिरानगर इलाके में रहने वाली एक विधवा ने अपने देवर पर दुष्कर्म करने का केस दर्ज कराया है। पीड़िता का आरोप है कि सास- ससुर ने उसकी मदद तक नहीं की और घटना के बाद उल्टा मुंह बंद रखने की धमकी भी दी। इंदिरानगर इलाके में एक महिला रहती है। उनके अनुसार उनके पति की मौत हो चुकी है। महिला के अनुसार 13 अप्रैल को वह ससुराल वालों को फोन कर अपनी गाड़ी लेने अहिमामऊ गई थी। वहां पर महिला के देवर ने गाड़ी की चाभी देने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं देवर ने पीड़िता संग दुष्कर्म किया। उसने मदद के लिए शोर मचाया तो सास-ससुर ने उसकी मदद तक नहीं की।घटना के बाद ससुर ने पीड़िता को घटना के बारे में किसी को कुछ भी न बताने की हिदायत दी। पीड़िता का आरोप है कि देवर अब रिश्तेदारों में उसको बदनाम कर रहा है। अपने साथ हुई इस घटना के संबंध में पीड़िता ने शनिवार को देवर, सास व ससुर के खिलाफ इंदिरानगर थाने में केस दर्ज कराया है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

फर्नीचर गोदाम में लगी भीषण आग, दो मंजिला भवन में फंसे कई लोग

लखनऊ के राजाजीपुरम में फर्नीचर की एक दुकान में आग लग जाने से हड़कंप मच गया। घटना में एक परिवार फंस गया जिसे सुरक्षित निकाल लिया गया। राजाजीपुरम ए ब्लॉक भव्यापुरम में सोफा गोदाम में आग लग गई। हादसा बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट से हुआ। देखते-देखते आग ने पूरे गोदाम को अपनी जद में ले लिया। ऊपरी मंजिल पर परिवार फंस गया था, जिसे स्थानीय लोगों के सहयोग से बाहर निकाला गया। इसी बीच धमाके के कारण पूरा इलाका दहल गया। दमकल की चार गाड़ियों ने दो घंटे में आग पर काबू पाया। राजाजीपुरम ए ब्लॉक भव्यापुरम निवासी अब्दुल मजीद अपने मकान के ऊपरी मंजिल पर परिवार के साथ रहते हैं। ग्राउण्ड फ्लोर पर सोफा का गोदाम बना रखा

था। देखते ही देखते सोफा गोदाम से आग की लपटें निकलने लगीं। स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। इसी बीच पुलिस व फायर कंट्रोल रूम को भी सूचना दी गई।

परिवार को सुरक्षित निकाला

हादसे के दौरान अब्दुल मजीद का पूरा परिवार दूसरी मंजिल पर फंस गया था। स्थानीय लोगों ने सभी को पास के टीन शेड के रास्ते से सुरक्षित बाहर निकाला। इस दौरान गोदाम में रखा लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। हादसे की चपेट में गैलरी में रखी बाइक भी आ गई थी। टायर व पेट्रोल टंकी के फटने से तेज धमाका हुआ, जिससे पूरा इलाका दहल गया।

ब्राजील में भी अपनी चमक बिखेरेगी आदित्या यादव, ट्रायल प्रतियोगिता जीता

ब्राजील में होने वाले तीसरे विश्व डेफ यूथ और छठवें विश्व डेप ओपेन बैडमिंटन चैंपियनशिप में शहर की आदित्या यादव अपनी चमक बिखेरेंगी। अहमदाबाद में स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में रविवार को हुए ट्रायल में गोरखपुर की आदित्या यादव ने अपने प्रतिद्वंदियों को मात दी। लगातार ट्रायल प्रतियोगिता में मात देते हुए

विश्व डेफ चैंपियनशिप में सीनियर वर्ग में स्थान बनाने में सफल रहीं।

ब्राजील में ये मुकाबला 10 से 25 जुलाई तक होगा। इसके पहले, आदित्या यादव का जूनियर गर्ल्स में पहले ही चयन हो चुका है। ट्रायल में पास होने के बाद अब वह सीनियर और जूनियर दोनों वर्ग में अपनी चमक बिखेरेंगी। अहमदाबाद के ट्रायल प्रतियोगिता में आदित्या ने कर्नाटक, तमीलनाडू, केरला, मध्य प्रदेश और पंजाब के छह खिलाड़ियों को मात दिया। इसी के बाद भारतीय टीम के सीनियर वर्ग में जगह बनाने में आदित्या सफल रही। इनकी उपलब्धि पर क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी आले हैदर, जिला सचिव बैडमिंटन रंजीत श्रीवास्तव, मंकेश्वरनाथ पांडेय, नेमी चंद्रा और कोच दिग्विजयनाथ यादव ने शुभकामनाएं दी हैं।

डीएम-एसएसपी ने देखे मतदान केन्द्र

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच
एटा-जैथरा। निकाय चुनाव को लेकर अपरान्ह में नगर पंचायत जैथरा के बूथ संख्या 05, 03, 10 प्राथमिक पाठशाला जैथरा द्वितीय का डीएम अंकित कुमार अग्रवाल, एसएसपी उदयशंकर सिंह ने निरीक्षण कर मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान डीएम ने कहा कि बूथ पर मतदाताओं के लिए रैंप, शौचालय, छाया, फर्नीचर, पेयजल, विद्युत आदि किसी भी प्रकार की कमी नहीं होनी चाहिए। डीएम ने अध्यक्ष, सदस्य पद से निर्वाचन लड़ने वाले प्रत्याशियों, लोगों के साथ बैठक की।
डीएम ने निर्देश दिए कि प्रचार के लिए जो भी गाड़ी प्रयोग की जाए, उसकी अनुमति अवश्य ली जाए। प्रत्याशी, समर्थक नौ मई को शाम 06 बजे तक ही प्रचार कर सकेंगे।

एटा निकाय चुनाव: मांझी जब नाव डुबोए तो उसे कौन बचाये

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच
एटा-नगरपालिका के चेयरमैन पद का चुनाव रोमांचक दौर में पहुंच चुका है यूं तो सभी प्रत्याशी अपनी-अपनी जीत के दावे चुनाव परिणाम आने तक करते रहेंगे, क्योंकि उनके इर्द-गिर्द रहने वाले नेता उंगलियों पर ऐसे आंकड़े बताकर जीतता हुआ बताते रहते हैं। एक देसी कहावत है कि सावन के अंधे को हरा-हरा ही दिखता है। उनकी नाव की पतवार चलाने वाले मांझी ही उनकी नाव डुबोने में लगे हुए हैं। वे नहीं चाहते के कोई नया नेता उभर कर मैदान में आये और फिर उनकी बराबरी करे। वह बखूबी जानते हैं कि जो चेयरमैन बनेगा वह पार्टी में अन्य पदों के लिए भी दावेदारी करेगा। हर कोई पुराना नेता अपनी-अपनी सीट बचाये रखना चाहता है। यही वजह है कि न तो समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी जीतता है और न भाजपा का प्रत्याशी कोई कमाल दिखा पाता है। भाजपा के रणनीतिकार हर बार एक नये प्रत्याशी को चुनाव लड़ाकर ठिकाने लगा देने में पारंगत हैं। विचारणीय विषय तो यह है कि समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के पास तमाम निष्ठावान कार्यकर्ताओं के विशाल संगठन हैं। राजनैतिक पार्टियों के पास हजारों वोटों के अपने-अपने वोट बैंक होते हैं। निर्दलीय प्रत्याशियों के पास न तो पार्टीगत विचारधारा का वोट बैंक होता है और न निष्ठावान पार्टी कार्यकताओं की लम्बी लाइन होती है। इस सबके बावजूद निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में गिरीश मिश्रा, राकेश गांधी और मीरा गांधी ने चुनाव जीतकर राष्ट्रीय पार्टियों को आईना दिखाने का काम किया है कि उनके इतने बड़े संगठनों पर निर्दलीय के मुट्ठी भर कार्यकर्ता भारी पड़ जाते ह
" ऐसा क्यों? राजनीति के जानकारों का कहना तो यहां तक है कि इन राजनीतिक दलों के प्रत्याशी पार्टी नेताओं के चक्रव्यूह में फंसकर चुनाव हार जाते हैं। दूसरों से मदद लेने की आस में ज्यादातर दायित्व ऐसे नेताओं को सौंप देते हैं जो उन्हें जीतते हुए देखना ही नहीं चाहते। कुछ नेताओं की चाल तो यह रहती है कि एक बार चुनाव हरा दीजिए अगली बार वह टिकट की लाइन ही नहीं, लगभग राजनीति से ही दूर होता चला जाता है और चालाक नेताओं का अपनी पार्टी की राजनीति में एक क्षत्र राज्य बना रहता है। समाजवादी पार्टी से नगर निकाय चुनाव में चेयरमैन पद पर कई बार से मुस्लिम प्रत्याशी मैदान में उतारे जाते हैं लेकिन मुस्लिम प्रत्याशियों को उनके सजातीय नेता ही चुनाव हरा देते हैं। प्रत्याशी को आंखें खोलकर चुनाव की कमान अपने हाथों में संभालनी होगी और सारे निर्णय अपने विवेकानुसार लेने होंगे तभी निर्दलीय प्रत्याशी से जीत सकेंगे। जातियों के सौदागर चालाक लोग 10-20 सजातीय व्यक्तियों को दावत के नाम पर बुलाकर प्रत्याशियों की सभाएं करा देते हैं और प्रत्याशियों को हजारों वोट गिनाकर थैला मांगकर थैली लेने में सफल हो जाते हैं। जबकि सजातियों को मालूम ही नहीं होता कि उन्हें जातिय नेताओं ने बेच दिया है। इस चुनाव का परिणाम 13 मई को आएगा। विजय का पुष्पहार किसके गले में पड़ेगा यह भविष्य का प्रश्न है लेकिन राजनीति के जानकार सम्भावनाएं अधिकांशतः एक जैसी जता रहे हैं।

कार से मारी टक्कर, मौके पर महिला की मौत

रिठौरा।थाना इज्जतनगर के गांव कलापुर में रहने वाली कमला बुआ का विवाह रामगंगा पुलिस चौकी क्षेत्र के गांव अखा में हुआ था।मायके में घर ज़मीन होने के कारण कमला अपने पति गंगा सिंह के साथ यहां आकर रहने लगीं। सोमवार को कमला दोपहर 12;30बजे रिठौरा से दवाई लेकर पैदल अपने घर लौट रहीं थीं। अचानक रिठौरा का आशू गुप्ता उर्फ मैटी पुत्र अजय कुमार गुप्ता धूम -स्टाल में तेज रफ्तार से अपनी क्रेटा कार दौड़ा रहा था। इन्द्रानगर में महेश लाला के सामने मार्केट के सामने कार ने रौंद दिया। जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई इतना ही नहीं कार इतनी तेज स्पीड में थी डिवाइडर पर चढ़कर रोड़ पार खड़े मेवाड़ के वर्फ के ठेले में जा घुसा। जिससे पूरनलाल भीलवाड़ा राजस्थान के पूरन सिंह भी बाल-बाल बच गया। जबकि उसका पूरा ठेला चकनाचूर हो गया। राहगीरों की सूचना पर पहुंची रिठौरा चौकी ने कार कब्जे में ले ली तथा वृद्धा के शव का पंचायतनामा भरकर जिला मुख्यालय भिजवाया। वहीं वृद्धा के बेटे जुगेन्द ने थाना हाफिजगंज में कार चालक आशू गुप्ता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया है। थानाध्यक्ष चेतराम वर्मा ने बताया सोमवार दोपहर में कार द्वारा वृद्धा को रौंदने के मामले में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

भाजपा के बागी प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं को किया 6 वर्ष के लिए निस्काशित

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच
एटा-एटा में भाजपा ने 1 दर्जन से ज्यादा बागियों के खिलाफ की बड़ी कार्रवाई, सभी भाजपा के बागी प्रत्याशियों और कार्यकर्ताओं को किया 6 वर्ष के लिए निस्काशित, लक्ष्मी उपाध्याय, सर्वेश उपाध्याय सहित 13 लोगों को भाजपा प्रत्याशियों के खिलाफ बगावत कर चुनाव लड़ने और कार्यकर्ताओं द्वारा बागियो को समर्थन करने वालों पर की गई है कड़ी कार्यवाही, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद चौधरी के आदेश पर भाजपा जिला

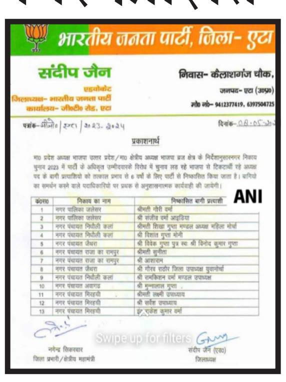
भारतीय जनता पार्टी, जिला- एटा
संदीप जैन

अध्यक्ष संदीप जैन ने 13 लोगों का किया निष्कासन, जनपद एटा के सभी निकायों में पार्टी विरोधी गतिविधियों में लिप्त होने के कारण बागी प्रत्याशियों और समर्थकों को 6 वर्ष के लिए पार्टी से निष्कासित कर दिखाया गया है बाहर का रास्ता।

गंगा-जमुनी तहजीब भारत की विशेषता शारदापुर ई का उर्फ पूरे छत्तीसगढ़ में आपसी भाईचारा का है मिसाल- शफी अहमद

रामचंद्र जायसवाल
क्यूँ न लिखूँ सच
सूरजपुर- प्रतापपुर / वाड्रफनगर विकासखंड के ग्राम पंचायत शारदापुर-ई से लगे वन आश्रित ग्राम में सूफी संत हजरत बाबा मुनव्वर शाह के मजार पाक में आयोजित सालाना उर्स का भव्य समापन हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रुप मे छत्तीसगढ़ शासन श्रम कल्याण बोर्ड के चेयरमैन शफी अहमद,जनपद अध्यक्ष जगत लाल आयाम नगर अध्यक्ष कंचन सोनी रहे। श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष ने बाबा के मजार पर

श्रद्धापूर्वक चादर चढ़ाई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि शफी अहमद ने कहा कि शारदापुर में वर्षो से बाबा के मजार में मनाया जाने वाला उर्स गंगा-जमुनी तहजीब का बेजोड़ मिशाल है। प्रतिवर्ष सभी समुदाय के लोग पूरी आस्था के साथ बाबा के मजार में आते हैं। उन्होंने कहा सरगुजा की परंपरा रही है कि यहां सभी समुदाय के लोग मिल-जुलकर हर त्यौहार मनाते आ रहे हैं और मनाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सबसे बड़ी चीज है शिक्षा शिक्षा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है शिक्षित व्यक्ति ही हर जगह कामयाब होता है इस दौरान जनपद अध्यक्ष जगत लाल आयाम ने कहा की मैं उर्स कमेटी और सभी कमेटी के मेंबरों को बहुत धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इस आयोजन में मुझे अतिथि के रुप में बुलाया ग्राम शारदापुर ई में होने वाला सालाना उर्स एकता और भाईचारा का मिसाल इस भाईचारे को हमें हमेशा कायम रखना है वहीं नगर अध्यक्ष कंचन सोनी ने भी सभा को संबोधित किया कव्वाल शाहरुख साबरी और कव्वाली सनम वारसी देश की एकता और अखंडता पर कई नज्म सुनाएं और तालियां बटोरी उर्स कमेटी के अध्यक्ष कलीम खान व उपाध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार जीशान खान ने उपस्थित सभी अतिथियों को बाबा के मजार का चादर भेंट किया। कार्यक्रम में शासकीय कालिदास महाविद्यालय के विधायक प्रतिनिधि मुमशाद खान नगर पंचायत एल्डरमैन अफसर अजीज एनएसयूआई नेता बाबू दुबे, नावेद, आदित्य गुप्ता, कमाल, रंगसाज, , हेसाम खान, सहित आसपास के लोग हजारों की संख्या मे कव्वाली का जमकर आनंद उठाया

पीलीभीत में बोले केशव प्रसाद मौर्य: कांग्रेस, सपा और बसपा आईसीयू में, इन्हें ऑक्सीजन देने की जरूरत नहीं

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को पीलीभीत और बीसलपुर में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। उन्होंने सपा बसपा और कांग्रेस पर तीखा प्रहार किया। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि कांग्रेस, सपा और बसपा आईसीयू में पड़े हैं। इन्हें स्थानीय निकाय चुनाव में ऑक्सीजन देने की जरूरत नहीं है। ऑक्सीजन मिलने पर ये सत्ता में आ जाएंगे और गुंडागर्दी शुरू कर देंगे। उपमुख्यमंत्री ने सोमवार को पीलीभीत और बीसलपुर में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसभाओं को संबोधित किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 11 मई के चुनाव में कमल का बटन दबा दोगे तो माफियाओं और गुंडों की गर्दनें अपने आप दब जाएंगी। जब नगरपालिका की सरकार मजबूत बनेगी, तभी नगर का अपेक्षित विकास हो पाएगा। अन्य राजनीतिक दल गरीबी हटाओ का नारा तो देती है, लेकिन काम नहीं करती हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा गरीबी हटाने का नारा नहीं देती, लेकिन गरीबी हटाने का काम करती है। भाजपा के लोग गरीबों का दर्द बखूबी जानते हैं। जो लोग चांदी का चम्मच लेकर पैदा होते हैं, वे लोग गरीबों का दर्द नहीं जानते। उन्होंने बताया कि भाजपा की सरकार अब तक किसानों, मजदूरों महिलाओं एवं अन्य पात्रों को 27 लाख करोड़ रुपये का भुगतान कर चुकी है।

पिछली सरकारों पर साधा निशाना

उन्होंने कहा कि पहले की सरकारों में स्वीकृत धनराशि का 15 प्रतिशत योजनाओं में लगता था और 85 प्रतिशत दलालों की जेबों में चला जाता था। भाजपा की सरकारों में स्वीकृत धनराशि का 100 प्रतिशत लाभार्थियों तक पहुंचता है। भाजपा सरकार ने सभी वर्गों, धर्मों के कल्याण के लिए तमाम योजनाएं चला रखी हैं। स्थानीय निकाय चुनाव से वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के बारे में संदेश जाएगा। केवल भाजपा प्रत्याशियो को जिताना ही नहीं बल्कि विरोधियों की जमानत भी जब्त करानी है। छुट्टा पशुओं की समस्या पर उपमुख्यमंत्री ने कहा कि इसके स्थाई निस्तारण के लिए भरपूर मात्रा में बजट की व्यवस्था कर दी गई है। सभी क्षेत्रों में पशु आश्रय गृह बनवाए जाएंगे। छुट्टा पशुओं को उन आश्रय गृहों में भिजवाया जाएगा।

सेंट्रा सुपर जाइंट्स ने सीपीएल सीजन-5 का जीता खिताब

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच
लुधियाना -सेंट्रा सुपर जाइंट्स (सीएसजी) ने सेंट्रा प्रीमियर लीग (सीपीएल) सीजन-5 का खिताब रविवार को सेंट्रा लायंस (सीएल) को 5 विकेट से हराकर पखोवाल रोड, लुधियाना के खेल मैदान में जीत लिया। सेंट्रा ग्रीन्स अपार्टमेंट के निवासियों वाली छह टीमों ने इस वार्षिक क्रिकेट उत्सव में भाग लिया, जिसके दौरान फ्लड लाइट के तहत मैच खेले गए। फाइनल में, सिमरनजोत सिंह सेठी ने आगे बढ़कर नेतृत्व किया और दो छक्के लगाकर मैच को समाप्त किया, जिसने सेंट्रा सुपर जायंट्स को सीपीएल सीजन-5 का खिताब दिलाया। 3 विकेट लेने वाले कार्तिक मैन ऑफ द मैच रहे। फाइनल जीतने के लिए 49 रनों का पीछा करते हुए, सीएसजी ने तेजिंदर गांधी सहित दो क्रिक विकेट खो दिए। अंकित और चिंतन ने अपने शुरूआती स्पेल में शानदार प्रदर्शन किया। चिंतन ने शानदार मेडन ओवर फेंककर दबाव बनाया। शांतनु कालिया ने चौथे ओवर में पारी का पहला छक्का जड़ा लेकिन सीएल ने कसी हुई गेंदों

से दवाब बनाए रखा। एक समय पर सुपर जायंट्स आधे ओवरों की समाप्ति पर 9 रन बना कर 2 विकेट गँवा चुके थे और अंतिम चार ओवरों में 40 रन चाहिए थे। शांतनु ने गियर बदला और गगनदीप के खिलाफ तीन छक्के जड़े और इसके बाद पदार्पण करने वाली टीम के लिए यह काफी आसान रहा। पहले बल्लेबाजी करने का विकल्प चुनने वाली सेंट्रा लायंस ने बल्ले से सावधानी से शुरुआत की और उनके सलामी बल्लेबाज पंकज शर्मा और चिंतन ने बिना किसी नुकसान के 3 ओवर में 31 रन जोड़े। लेकिन सीएसजी ने चौथे ओवर में अच्छी वापसी की और फार्म में चल रहे पंकज सहित 3 बल्लेबाज आउट हो गए। इसके बाद से बल्लेबाजी करने वाली टीम उबर नहीं पाई और 48 रन ही बना सकी। इससे पहले लीग मैचों में गुलाम सरवर की कप्तानी में सेंट्रा लायंस (मैनेजमेंट टीम) तालिका में शीर्ष पर रही थी। इसके अलावा, अंकुर केहर (मेपल राइडर्स) जिन्होंने 163 रन बनाए और 26 छक्के लगाए, उन्हें सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज घोषित किया गया, कार्तिक (सेंट्रा सुपर जायंट्स) जिन्होंने 11 विकेट लिए, उन्हें सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज और सर्वश्रेष्ठ क्षेत्ररक्षक का खिताब नितिन कुंद्रा (मलबरी चैलेंजर्स) को दिया गया। मैन ऑफ द सीरीज का पुरस्कार गौतम बत्रा (मलबरी चैलेंजर्स) को दिया गया। सेंट्रा लायंस के पंकज शर्मा को एक ओवर में 34 रन बनाने के लिए विशेष पुरस्कार मिला। विजेताओं को 51000 रूपए के नकद पुरस्कार के अलावा एक शानदार ट्रॉफी मिली। जबकि हारने वाले फाइनलिस्ट ने 40000 रुपए का नकद पुरस्कार जीता। साथ ही दोनों टीमों को ढेर सारे उपहार और मेडल भी मिले। पंजाबी सुपर स्टार बिन्नू ढिल्लों मुख्य अतिथि थे जिन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम में जोश भर दिया। लुधियाना में सेंट्रा प्रीमियर लीग कुछ ही सालों में काफी लोकप्रिय हो गया है। सेंट्रा ग्रीन्स के निवासियों ने इस क्रिकेट उत्सव का आनंद लिया और टूर्नामेंट का स्तर भी हर साल बढ़ रहा है। इस वर्ष महिलाओं के लिए म्यूजिकल चेयर और रस्साकशी और बच्चों के लिए फुटबॉल मैच भी शामिल थे। सेंट्रा ग्रीन्स के प्रबंध निदेशक राजीव भल्ला एवं निदेशक अमित भल्ला ने विजेताओं को बधाई दी और प्रतियोगिता को सुचारू रूप से आयोजित करने में सहयोग के लिए निवासियों, प्रतिभागियों और टीम मालिकों को धन्यवाद दिया।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

सीटी यूनिवर्सिटी द्वारा आईबीएम के सहयोग से डिजिटल मार्केटिंग पर विशेष कार्यशाला का आयोजन

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- सीटी यूनिवर्सिटी ने आईबीएम के सहयोग से %डिजिटल मार्केटिंग% पर वर्कशॉप का आयोजन किया जिसमें स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी के 200 से अधिक छात्रों ने भाग लिया। आईबीएम पेशेवर आकांक्षा और अमन ने छात्रों को डिजिटल मार्केटिंग में नवीनतम रुझानों से परिचित कराया। इस कार्यशाला ने %डिजिटल मार्केटिंग% के क्षेत्र में नवीनतम उपकरणों और तकनीकों के बारे में जानने के लिए एक उत्कृष्ट मंच प्रदान किया। दो घंटे की कार्यशाला के बाद प्रमाणन परीक्षा भी हुई, जिसको 200 से अधिक छात्रों ने सफलतापूर्वक पास किया और डिजिटल मार्केटिंग पर गूगल प्रमाणन अर्जित किया। डॉ. कमल मलिक, आईबीएम समन्वयक, ने आज के तेजी से विकसित हो रहे उद्योग में डिजिटल मार्केटिंग के महत्व को समझाया। सीटी यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर (कार्यकारी) डॉ. सतीश ने छात्रों को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी और उद्योग में व्यावहारिक ज्ञान के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सीटी यूनिवर्सिटी अपने छात्रों को अपने कौशल को बढ़ाने और प्रतियोगिता में आगे रहने के अवसर प्रदान करने के लिए ऐसी कार्यशालाओं का आयोजन करती रहती है। विशेषज्ञों ने आज की जरूरत %डिजिटल मार्केटिंग% की प्रासंगिकता के बारे में भी बताया।आईबीएम विशेषज्ञ आकांक्षा ने कहा कि डिजिटल मार्केटिंग सिर्फ एक टूल नहीं है, बल्कि एक रणनीतिक दृष्टिकोण है जो व्यवसायों को अपने दर्शकों तक पहुंचने और कंपनी को अधिक लोगों तक पहुंचाने में मदद करता है, और यह आज की जरूरत बन गया है।

रेडक्रास दिवस पर रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन, शिक्षकों ने किया रक्तदान

बरेली-रिठौरा- मैस्कॉट कॉलेज ऑफ एजुकेशन में सोमवार को रेडक्रॉस दिवस के मौके पर विशेष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ प्राचार्य डॉक्टर जयकरन माथुर ने फीता काटकर किया। इस मौके पर प्राचार्य श्री माथुर ने रेडक्रास के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा हम सबको जीवन में सदैव जनहित से जुड़े कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए इस मौके रक्तदान शिविर में महाविद्यालय के प्राचार्य ,शिक्षक डॉ हेमेंद्र कुमार ,डॉ सोमा गौड़, मनोज कुमार, कुलदीप , विनीत शर्मा ,युवराज गंगवार ,कुमकुम गंगवार ,प्रीति सिंह , तथा छात्र-छात्राओं ने भी रक्तदान किया। इस मौके पर वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी श्याम अवस्थी, डॉ जेपी सेठी, बृजेश पांडेय आर0 एस0 जी0 आई0 एम 0ए0 ब्लड बैंक बरेली के तमाम पदाधिकारी मौजूद रहे।

......पेज न. 1 का शेष - निर्दलीयों के समर्थन में उतरे भाजपा सांसद वरुण गांधी

अध्यक्ष की निर्दलीय प्रत्याशी माधुरी देवी के समर्थन में आयोजित सभा में कहा कि बीसलपुर नगर पालिका के अध्यक्ष पद के जितने प्रत्याशी हैं, वह सभी पैसे वाले हैं और किसी ने किसी के सहारे चुनाव लड़ रहे हैं। केवल माधुरी देवी ही एकमात्र ऐसी प्रत्याशी हैं, जो पैसे से काफी कमजोर हैं लेकिन जन सेवा करने के लिए चुनाव लड़ रही हैं।

पैसे वाले जीतना चाहते हैं चुनाव

उन्होंने कहा कि माधुरी देवी के पति राजेश सिंह उनके पिछले 30 वर्षों से प्रतिनिधि हैं। वह पूरी तरह से ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उन्होंने अगर ईमानदारी से काम नहीं किया होता तो वह भी बहुत पैसे वाले हो जाते। उन्होंने कहा कि बीसलपुर में कुछ लोग पैसे के दम पर नगर पालिका अध्यक्ष पद का चुनाव जीतना चाहते हैं ,लेकिन नगर की जनता उन्हें पालिका अध्यक्ष नहीं बनाएगी। सांसद ने कहा कि चुनाव माधुरी देवी का नहीं है बल्कि उनका अपना चुनाव है। सांसद ने कहा कि बीसलपुर नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव पैसे और बाहुबल के आधार पर नहीं होगा। केवल ईमानदारी के आधार पर होगा।

पूरनपुर में भी सांसद ने की निर्दलीय प्रत्याशी की तारीफ

सांसद वरुण गांधी रविवार को सराफा बाजार में विपिन सराफ के घर और प्रतिष्ठान में पहुंचे। यहां उनके समर्थकों की भीड़ रही। नगर पालिका अध्यक्ष पद के निर्दलीय प्रत्याशी प्रदीप जायसवाल लल्लन भी अपनी टीम और समर्थकों के साथ मौजूद रहे। सांसद ने पूर्व चेयरमैन और निर्दलीय प्रत्याशी प्रदीप जायसवाल लल्लन की तारीफ की। कहा कि लल्लन उनके दाहिने हाथ है। हमेशा साथ रहे है। शोर है कि सांसद ने चुनाव लल्लन का नहीं अपना होना भी कहा।

भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष ने वौनेर सब स्टेशन पर तैनात बिजली कर्मचारी की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है

लवकुश ठाकुर
क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ- भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा सेक्टर प्रभारी सिधौली ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने वौनेर बिजली घर पर तैनात कर्मचारी की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया है बताया गया है कि 3=30 बजे आज सुबह की घटना है सूचना पाकर मौके पर पहुंचकर मृतक के परिवारों को सांत्वना प्रदान की बिजली कर्मचारी का नाम राकेश था इसी नौकरी से परिवार का पालन पोषण करता था इस बिजली कर्मचारी की मौत पर पूरे गांव खान गाड़ी में शोक व्याप्त भाजपा किसान मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष महानगर ठाकुर राकेश कुमार सिंह ने परिवार को सांत्वना दे हर संभव मदद का भरोसा दिलाया इस घटना की पूरी जानकारी उत्तर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री एवं माननीय ऊर्जा मंत्री जी को लिखित में भेजी जाएगी आर्थिक मदद की मांग की जाएगी मृतक के घरवालों ने बताया है कि एक बेटी और एक बेटा पत्नी छोड़ कर गए हैं अंजलि पुत्री उम्र 16 वर्ष विष्णु पुत्र उम्र 14 वर्ष भरा पूरा परिवार छोड़ कर गए हैं इसी घटना पर भाजपा युवा नेता अरविंद सिंह बघेल युवा भाजपा नेता सोनू कुमार जाटव युवा भाजपा नेता विष्णु कांत युवा भाजपा नेता अनिल ठाकुर सचिन ठाकुर कुलदीप बघेल ठाकुर नीरज सिंह रमन सिंह आदि ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया है

4परिवार को समझा कर फिर से साथ रहने के लिए राजी किया गया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-सराहनीय कार्य परिवार परामर्श केंद्र एटा *वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री उदय शंकर के निर्देशन में महिला थाना कैंपस नारी उत्थान केंद्र में संचालित परिवार परामर्श केन्द *दिनांक 7/5/2023* आज आपसी मतभेदों के कारण टूटने की कगार पर खड़े **4परिवार को समझा कर फिर से साथ रहने के लिए राजी किया गया 1 वादी कमलेश पत्नी स्व रघुराज सिंह ग्राम बबरौती थाना बागवाला जिला एटा प्रतिवादी पूजा पुत्री श्री शैलेंद्र सिंह निवासी ग्राम जिरौली थाना बिछुआ जनपद मैनपुरी 2 वादी बबीता पुत्री हरिकिशन निवासी मरथरा चौकी थाना कोतवाली देहात जिला एटा प्रतिवादी मौसम पुत्र ज्ञान चंद्र निवासी मरथरा कोतवाली देहात 3 वादी श्रीमती ललिता देवी पुत्री अमर सिंह हाल निवासी मोहल्ला लोहा मंडी खतैना थाना जगदीशपुरा जिला आगरा प्रतिवादी जितेंद्र शर्मा पुत्र मुन्नालाल निवासी कस्बा व थाना पिलुआ जिला एटा 4 वादी श्रीमती हेमलता पुत्री गजराज सिंह निवासी ग्राम नगला समदा थाना बागवाला जिला एटा प्रतिवादी प्रेम नारायण पुत्र बलिस्टर निवासी ग्राम नगला समदा थाना बागवाला जिला एटा आज आपसी मतभेदों के कारण परिवार परामर्श केंद्र में पत्रावली प्रचलित थी दोनों परिवारों को परिवार परामर्श केंद्र में काउंसलिंग कर समझाया गया पिछली गलती को मानते हुए साथ रहने के लिए राजी हुए आज की बैठक में प्रभारी निरीक्षक ब्रह्मवती काउंसलर डॉ अशोक कुमार डॉ आर पी आर्य पुलिस स्टाफ हेड कांस्टेबल मिथलेश गौरी पूजा मौजूद रहे

एनजीटी की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने ग्यासपुरा गैस लीक हादसे की जांच शुरू

सत पाल सोनी
क्यूँ न लिखूँ सच

लुधियाना- नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) द्वारा गठित आठ सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग कमेटी ने सोमवार को शहर के ग्यासपुरा इलाके का दौरा किया और 30 अप्रैल, 2023 को 11 लोगों की मौत के कारण हुए गैस रिसाव के कारणों का पता लगाने के लिए अपनी जांच शुरू की। समिति की अध्यक्षता पीपीसीबी के अध्यक्ष डॉ. आदर्श पाल विग कर रहे हैं और इसमें केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड चंडीगढ़ के क्षेत्रीय निदेशक (उत्तर) गुरनाम सिंह, सीएसआईआर-इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टॉक्सिकोलॉजी रिसर्च, लखनऊ से शीलेंद्र प्रताप सिंह, पीजीआईएमईआर चंडीगढ़, से डॉ लक्ष्मी शामिल हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) से उत्तम चंद, जिलाधिकारी सुरभि मलिक, नगर निगम आयुक्त डॉ. शेना अग्रवाल, इंजी. जीएस मजीठिया, सदस्य सचिव पीपीसीबी। समिति ने आज मैनहोल, एक दूध बूथ और अन्य सहित दुर्घटना स्थल के पास के सभी स्थानों का जायजा लिया। समिति ने जीवित बचे लोगों, बचावकर्ताओं और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान भी दर्ज किए जिन्होंने सदस्यों को अपनी कहानियाँ सुनाई। समिति के सदस्यों ने घटना के संबंध में विभिन्न वायरल वीडियो की रिकॉर्डिंग भी ली। पैनल के प्रमुख डॉ. आदर्श पाल विज ने लोगों से अपील की कि वे गैस रिसाव दुर्घटना से संबंधित किसी भी तरह के साक्ष्य समिति के पास जमा करें ताकि इस घटना की जांच में सहायता मिल सके। डॉ विग ने कहा कि पैनल एक विस्तृत और तथ्यात्मक रिपोर्ट तैयार करेगा ताकि भविष्य में ऐसी दुखद दुर्घटना न हो। यह एक प्रारंभिक बैठक थी और सभी तकनीकी एजेंसियों को तथ्यान्वेषी समिति द्वारा आगे के विचार/विश्लेषण के लिए उनके शासनादेश के अनुसार अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

गांव छीरवाई में सदस्यता अभियान चलाया

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-भारतीय किसान यूनियन टिकैत युवा मंडल अध्यक्ष विपिन यादवआगरा अपनी सम्मानित पदाधिकारियों के साथ गांव छीरवाई में सदस्यता अभियान चलाया तथा घर घर जाकर लोगों से जनसंपर्क किया तथा समस्याएं सुनी समस्या में विकराल रूप से छीरवाई गांव में पानी की निकासी की गंभीर समस्या रही जिसको लेकर किसानों को आश्वस्त किया के कल दिनांक 8 5 2023 सुबह 10=00 बजे को उप जिलाधिकारी एत्मादपुर को समस्या के संदर्भ में ज्ञापन दिया जाएगा अगर फिर भी कोई समस्या का समाधान नहीं होता है तो 7 दिन बाद आंदोलन की तैयारी की जाएगी जिसकी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी

रिठौरा में समाजवादी पार्टी के पक्ष में मतदान को घर-घर किया जनसंपर्क

क्यूँ न लिखूँ सच

रिठौरा।समाजवादी पार्टी की अध्यक्ष पद की प्रत्याशी नत्थों देवी के समर्थन में रिठौरा गौंटिया, होली चौराहा, कहरान मोहल्ला, के कश्यप समाज ने भारी तादात में समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष शिवचरन कश्यप का स्वागत किया। पूरा विश्वास दिलाया अब की बार समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी को अधिक से अधिक वोट कर विजय दिलाने का काम करेंगे मोहल्ला खेड़ा , नूरी मस्जिद, बिलाल मस्जिद, नई बस्ती, जटवपुरा, सैफन, इंद्रपुरी में घर-घर जनसंपर्क किया। इस मौके पर जिला अध्यक्ष शिवचरन कश्यप , पूर्व उपाध्यक्ष हरिशंकर यादव, विधान सभा अध्यक्ष तनवीर इस्लाम , निवर्तमान सभासद स्वेता गुप्ता, छेदा लाल भास्कर, बृजेश गुप्ता, सचिन गुप्ता, गुड्डू अंसारी, असफाक अंसारी, आरिफ, राजीव यादव, मोर सिंह, ऋषभ गुप्ता,मोर सिंह यादव, नसीर मंसूरी, हनीफ, जाकिर, इस्लाम अंसारी, बुदन अंसारी, आलम अंसारी,विजय यादव, मोहम्मद शाकिर अंसारी उर्फ लाल आदि सैकड़ों समर्थक मौजूद रहे।

लूट तथा जानलेवा हमले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-थाना अलीगंज को मिली सफलता,थाना अलीगंज पुलिस द्वारा मारपीट, लूट तथा जानलेवा हमले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एटा श्री उदय शंकर सिंह के निर्देशन में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण तथा वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना अलीगंज पुलिस द्वारा थाना अलीगंज पर पंजीकृत मुअस-56/2023 धारा 147, 148, 149, 452, 323, 504, 354, 392, 307, 427 भादवि व 3 (2) 5a SC/ST Act के तहत वांछित चल रहे दो अभियुक्तों डंपी उर्फ अवनीश तथा अंकित को गिरफ्तार किया गया है।गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध थानास्तर से आवश्यक विधिक कार्यवाही की

गुप्ता ट्रक पार्ट्स की दुकान से लाखों का TVS का नकली ऑयल और पार्ट्स किया बरामद

निशाकांत शर्मा
क्यूँ न लिखूँ सच

एटा-एटा में झड्रस कंपनी के अधिकारियों ने पुलिस को साथ लेकर नकली झड्रस पार्ट्स और झड्रस ऋ नकली ऑयल बेचने वाले दुकानदारों की दुकानों पर मारे छापे, गुप्ता ट्रक पार्ट्स की दुकान से लाखों का झड्रस का नकली ऑयल और पार्ट्स किया बरामद, दुकानदारों में मचा हड़कंप, झड्रस अधिकारियों और पुलिस ने गुप्ता ट्रक पार्ट्स की दुकान से लाखों का झड्रस का नकली ऑयल और पार्ट्स बरामद कर दुकान स्वामी को लिया हिरासत में, एटा कोतवाली नगर क्षेत्र के जीटी रोड पर स्थित एटा क्लब के सामने गुप्ता ट्रक पार्ट्स दुकान पर नकली झड्ढा का सामान मिलने का मामला।

LSG's problems increased between IPL 2023, 7.50 crore player left, due to this he returned home

In the 52nd match of IPL 2023, Lucknow Super Giants lost to Gujarat Titans by 56 runs. After the defeat in this match, the difficulties of the Lucknow team have increased further. Please tell that the lead English bowler Mark Wood of Lucknow Super Giants has returned home due to personal reasons. This information has been received from the video shared through the official Twitter account of Lucknow Super Giants. Let us know through this article why Lucknow team bowler Mark Wood suddenly had to leave the team and return home? Had started. He took a total of 5 wickets for 14 runs in the first match itself. At the

same time, this season Wood has taken a total of 11 wickets in the 5 matches played so far. However, he did not get a chance in the playing-11 in the 51st match of IPL 2023, but recently Lucknow Super Giants shared a video on his Twitter, in which Mark Wood himself is telling that he is returning to his home country. Let us tell you that Mark Wood is about to become a father and at this time he wants to spend maximum time with his wife Saha. In the video, Mark Wood said, "I'm going back home for the birth of my daughter." I am sad to announce that I am leaving the team, but there is a good reason to go home. Hope to see you again with the team soon. I am sorry I did not achieve much in 4 matches. I did take a few wickets, but I hope I can do it soon. """ After this, Mark Wood further said that this team was very good and I like the whole team very much. The supporting staff, the coats are all great. I am happy to see fellow players progressing in different areas. I know we just need one more win and after that we will go to the playoffs and from that playoff we have to reach the finals. This goal belongs to the whole team and we know it is not that easy. In sports, the process of winning and losing goes on, but our players are working very hard.

Rashid Khan caught the 'catch of the tournament', Kohli also became a fan, you will also be stunned after watching the video

The victory chariot of Gujarat Titans continues in IPL 2023. In a one-sided match, the defending champions, led by Hardik Pandya, defeated Lucknow Super Giants by 56 runs. Mohit Sharma once again shone with the ball and took four wickets in his kitty. However, the real mehfil in Ahmedabad was looted by Rashid Khan with his fielding. Rashid caught a wonderful catch while running 26 meters, whose fan Virat Kohli has also become. Kyle Mayers and Quinton Dickock were taking the news of Gujarat bowlers fiercely. Especially Captain Hardik's every move to stop Meyers was failing. In such a situation, the captain handed the ball to Mohit Sharma. On the second ball of Mohit's over, Meyers tried to play a big shot and the ball stood in the air. Fielding at deep square leg, Rashid Khan first took a long run of 26

meters and then took a wonderful catch while diving. The video of this catch of Rashid is becoming fiercely viral on social media and fans are also calling it the catch of the tournament. Kohli also became a fan of Rashid's fielding.Former Royal Challengers Bangalore captain Virat Kohli has also become a fan of Rashid Khan's brilliant fielding. Sharing the video of Rashid's catch on his Instagram story, Kohli wrote, "One of the best catches I have seen so far. Amazing Rashid Khan."

Hardik prevailed over Krunal, Gujarat defeated Lucknow; Wriddhiman Saha-Shubman Gill and Mohit Sharma shine

For the first time in the IPL on Sunday (May 7), two brothers landed as captains in a match. Hardik Pandya of Gujarat Titans and Krunal Pandya of Lucknow Supergiants came face to face. In this match, Hardik won by defeating his elder brother. Gujarat won big by 56 runs. He has almost confirmed his place in the playoffs. Lucknow captain Krunal Pandya won the toss and decided to bowl. This decision of Krunal proved wrong. Gujarat scored 227 runs for two wickets in 20 overs. In reply, the Lucknow team could only manage 171 runs for seven wickets in 20 overs. The position of both the teams in the points table- Gujarat has 16 points in 11 matches. This is Gujarat's eighth victory. He has faced defeat in just three matches this season. On the other hand, this is Lucknow's fifth defeat in 11 matches. He has got five wins. There is no result in one match. Lucknow has 11 points and is on the third position.

Meyers and Dickock give Lucknow a strong start - Chasing a mammoth target of 228 runs, the Lucknow team got off to a great start. Kyle Mayers and Quinton de Kock gave the team a strong start. Both shared an 88-run partnership for the first wicket in 8.2 overs. Meyers got out after scoring 48 runs off 32 balls. He hit seven fours and two sixes in his innings. After the dismissal of Meyers, de Kock stood at one end. No batsman supported him at the other end. Dickock was dismissed in the 16th over. He scored 70 runs off 41 balls. Dickock hit seven fours and three sixes. Lucknow's middle order failed - Lucknow's middle order performed poorly in this match. Deepak Hooda 11, Marcus Stoinis four and Nicholas Pooran were dismissed for three runs. Ayush Badoni, who came in as an impact player in the last over, made some effort, but by then the match was out of hand. Badoni scored 21 runs off 11 balls. Captain Krunal Pandya could not open the account. Ravi Bishnoi remained unbeaten on four and Swapnil Singh scored two runs.Gujarat's bowlers did wonders - Hardik Pandya's bowlers also performed brilliantly in this match. Mohit Sharma, who made a comeback this season, impressed once again. He took four wickets for 29 runs in four overs. Mohit dismissed Kyle Mayers, Marcus Stoinis, Ayush Badoni and Krunal Pandya. Mohammed Shami, Noor Ahmed and Rashid Khan got one success each. Gill and Saha did wonders – Earlier, Shubman Gill and Wriddhiman Saha scored stormy half-centuries for Gujarat. Gill scored an unbeaten 94 off 51 balls. He hit two fours and seven sixes in his innings. Wriddhiman Saha played an inning of 81 runs off 43 balls. He hit 10 fours and four sixes. Miller and Hardik played useful innings – David Miller remained unbeaten after scoring 21 runs off 12 balls. He hit two fours and a six. Captain Hardik Pandya scored 25 runs off 15 balls. He hit one four and two sixes. Mohsin Khan and Avesh Khan took one wicket each for Lucknow.

Everything changed for Pakistan in 48 hours, Kiwi team washed away, number-1 crown was also snatched

In the last match of the five-match ODI series played in Karachi between Pakistan and New Zealand (PAK vs NZ ODI Series), the New Zealand team won the toss and decided to bat first, which proved to be correct. In the match, the New Zealand cricket team was all out for 299 before 50 overs. On behalf of the Kiwi team, Will Young's stormy innings of 87 runs and Toss Latham's half-century innings gave the Pakistan team a target of 300 runs. In response, the Pakistan team was reduced to 252 runs in 46.1 overs and in this way the New Zealand team saved their shame by winning the last ODI by 47 runs and Pakistan won the series 4-1. In fact, in the fifth ODI After winning the toss, the New Zealand team came to bat first, opener Will Young played a fiery inning of 84 runs in 91 balls, which included a total of 8 fours and 2 sixes. At the same time, Toss Blundell returned to the pavilion after scoring just 15 runs. Apart from Will Young, Tom Latham played an inning of 59 runs in 58 balls, which included a total of 5 fours.

At the same time, Shaheen Apridi took 3 wickets for Pakistan, while Shadab Khan and Usama Mir got 2-2 success. Haris Rauf and Mohammad Wasim got 1-1 wickets. Chasing 300 runs, Iftikhar Ahmed kept fighting till the end for the Pakistan team. He played a stormy inning of 94 runs off 72 balls, which included a total of 8 fours and 2 sixes. However, his innings could not help the team clean sweep New Zealand in the series. Shan Masood was dismissed for 7 runs from Pakistan, while captain Babar Azam's bat also remained silent in the match. Babar got out after scoring only 1 run. On the other hand, Henry Shilpe and Rachin Ravindra got 3-3 success from the Kiwi team and Adam Milne, Matt Henry and Ish Sodhi got 1-1 success. The batting and bowling of the Kiwi team was excellent in the fifth ODI. In this way, the Pakistan team was piled on 252 in 46.1 overs and New Zealand won the fifth ODI by 47 runs. Let us tell you that after the defeat against New Zealand in the fifth ODI, the Pakistan team suffered a loss. Even though Pakistan has won the series 4-1, but in the ODI rankings, the Pakistan team has moved from the first position to the third position. Australia has regained the top spot with a rating of 113. In second place, the Indian team is present with a total of 114 ratings. Pakistan occupies the third position with 111 ratings.

This time G5 teamed up with Ekta Kapoor and made a bad remake of Kannada film in Hindi

The government repeatedly makes people aware about traffic rules, but its effect is very less on the common people. In the matter of short cut, sometimes a person knowingly or unknowingly makes such a mistake that it affects his family. The film 'U Turn' is based on the accidents that happen on a flyover, which gives suspense, horror, thrill, everything, just not the story. U Turn, released in Hindi, is an official remake of a Kannada film of the same name released in 2016. Remakes of this film have also been made in Tamil and Telugu with the same name. The Hindi dubbed version of the film is also available on YouTube. U Turn is a 2016 Kannada film directed by Pawan Kumar, starring Shraddha Sainath, Roger Narayan, Radhika Chetan and Dilip Raj. Two years later, Pawan Kumar made it in Tamil and Telugu with Samantha Prabhu, Bhumika Chawla and Rahul Ravindran and now it's Arif Khan's Hindi U Turn. Kehne Ko story revolves around a crime reporter doing an internship in a newspaper who investigates accidents on flyovers. The police feel that he is behind the accidents happening on the flyover. 'U Turn' made in Hindi is a scene by scene carbon copy of the film made in South. In remake films, the biggest responsibility and challenge is on the shoulders of the film's actors to take the film to a different level with their performance, but if the performance of the actors of this film is compared to the original film's actors, then they are far away. They are not seen close. The film's producer Ekta Kapoor said during an interview that she enjoys telling stories of women the most. But in this film he has only played with the sentiments of Indian women. There is a scene in this film when Alaya F goes to drop her mother in another city and her mother says that whiskey and vodka bottles are found in your dustbin, now even used condoms are found. This daughter's answer comes, so if I do without condom, will it be okay with you? Now only Ekta Kapoor can tell which mothers and daughters talk like this in India. Ekta Kapoor, who has been awarded Padma Shri, one of the highest civilian honors of the country, has an old habit of talking dirty on OTT. . Now such dialogues have started appearing in his films as well and perhaps better cannot be expected from him now. Talking about the performance, Alaya F has disappointed the most. The story of the film 'U Turn' revolves around his character but his flat face is the biggest obstacle in watching the film. Gradually their confidence is increasing as compared to before, but the audience has to bear the brunt of watching the films of this training period by paying money. The acting of Priyanshu Panuli, Aashim Gulati, Rajesh Sharma, Manu Rishi Chadha in the rest of the cast of the film 'U Turn' was normal. Rajesh Sharma and Manu Rishi Chadha definitely impress with their performances in some scenes. The story of the film in Hindi has been claimed to be written by Parvez Sheikh and Radhika Anand, but what was their role as writers, it is not understood after watching the film. When the whole film is a true copy of the original, then even the name of the writer of the original film could have worked. The director has also made a carbon copy of the original after seeing it. Cinematographer Anubhav Bansal did a great job in the film 'U Turn'. The kind of scenes that have been created once, it is no less difficult to compose them exactly the same way. He has also copied very cleverly. The original film is about two hours long. Here it has been reduced to 15 minutes. The music of the film is mediocre. Before this film was made in Hindi, all its three versions were hits. But, here the film is outdone by the acting and presentation of its cast.

The poignant story of the struggle of the Pali daughter of Shankuts, Allu Arha won hearts by becoming Bharat

The story of Shakuntala is scattered from the Adiparva of the Mahabharata to the Padmapurana and the great work 'Abhigyan Shankutalam' written by Kalidas. Shakuntala means cones (birds) were shifted. Every writer has created the character of Shakuntala according to his own. Dushyant's loss of memory is also used as an excuse by Durvasa Rishi at some places, but this is the story of a girl whose parents abandoned her at birth. And, whose guardian loves her more than her real daughter. This is also the story of Shakuntala, who became pregnant in the moments of love manifestation, seeking justice from her husband. Shakuntala, born from the love affair of Rishi Vishwamitra and Apsara Menaka, has two

forms, one Shakuntala who gives physical darshan of Shringar Rasa and one Shakuntala who has to regain her self-respect. Story of Bharat's mother Shakuntala - The film 'Shakuntalam' begins with the birth of its main character i.e. Shakuntala. Time passes and the maiden Shakuntala and King Dushyant of Hastinapur come face to face. When Shakuntala's guardian Kanva Rishi is not in the ashram, both of them have a direct introduction. Both have love. Both the Gandharvas marry. And Shakuntala becomes pregnant. Dushyant forgets his promise given in the excess of intimate moments. Dushyant refuses to recognize Shakuntala. The promise between the two is that only their progeny will sit on the throne of Hastinapur. And, this child is Bharat, after whom the country of India is named. The weak story of a strong woman- If we read the story of Shakuntala carefully, here too, like other mythological stories, the writers of this story have already created false stories everywhere to prove the innocence of its male character Dushyant. But, despite this, this is the first such established story of women empowerment in mythology in which a woman takes a vow to fight for justice for her son from a king who is fascinated by her looks. It is a matter of fact that due to the ring found by the fisherman, the story reaches its end by coming to a happy turn. But Gunasekhar, the writer and director of the film 'Shakuntalam' failed to understand the undercurrent of this story. The selection of Samantha Ruth Prabhu for the title role of the film is also a big mistake. Samantha's bargain build and physique doesn't look like a sage-girl born in the woods. Samantha is beautiful but she does not have the form, beauty and makeup of a well-groomed woman. He also fails to bring out the core of Shakuntala's character. Allu Arha's brilliant performance - Dev Mohan who plays Dushyant in the film 'Shakuntalam' definitely tried his best to justify his choice as King Dushyant But since the main focus of the film is on Shakuntala. Dushyant's character is not developed properly due to lack of script. The Hindi dubbing of both the lead characters is also not very effective. Some famous actors of Hindi cinema have also been roped in to establish the film's relation with Hindi-speaking areas, but none of them leave an impact except Prakash Raj. Yes, the performance of Allu Arha, daughter of actor Allu Arjun, who plays the character of Bharat, is amazing. His childlike innocence and a natural radiance on his face give strength to his character. The work done by Allu Arha in the climax of the film wins the hearts of the audience.An average film on mythology - technically the film 'Shakuntalam' is not a great film. If the film had to be dubbed and released in Hindi, then the services of at least some established actors should have been taken in it. Irrespective of the impact of the film's music in the original language, Mani Sharma, who has been composing music for films dubbed in Hindi, has completely failed to understand the spirit of the film and the importance of music in its narrative here. A large part of the film has been shot in the studio with green, blue curtains and instead of these curtains, the efforts to give a mythological look to the film by replacing these curtains with sets made virtually during editing have not been successful. The film 'Shakuntalam' appears as such an undercooked film whose recipe was known to its director but he forgot to use balanced spices in making it.

Cool girl and player Kumar seen on a stage, users said - can't believe the eyes...

An award ceremony was organized for the film stars on Sunday night. During this many Bollywood stars participated. The beautiful beauties of Bollywood, including Janhvi Kapoor, Sushmita Sen, Raveena Tandon, Shilpa Shetty, were present on the occasion. Meanwhile actors were also present. At the same time, Akshay Kumar was also seen during the function. Raveena handed over the award to Akshay- Recently some pictures and videos of the award function are going viral on social media. During the function, ex-lovers Akshay Kumar and Raveena Tandon were seen on stage together. Actually, Akshay was honored with the Style Hall of Fame award. This award was given to him by Raveena Tandon, not anyone else. Raveena praised Akshay – pictures and videos of both the actors are becoming increasingly viral on social media. During the video, it can be seen that Raveena is seen praising Akshay Kumar. The actress has also described Akshay as the superstar and rockstar of the 90s. The actress was very happy and said all these things for Akshay. Users were surprised - Seeing both of them together, everyone is looking very surprised. After the video went viral, users are continuously commenting on it. One user wrote - Finally after a long time the best couple hugged each other. Another user wrote – what am I seeing. Another user wrote that it is difficult to believe your eyes. At the same time, most of the users were very happy to see both of them together and Akshay was praising Raveena's pair. The relationship between the two was broken years ago- Let us tell you that both had dated each other for a long time. Even it is said that both of them got engaged, however, due to some reasons their relationship broke down and both of them parted ways.